हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 49 | प्रयागराज, शनिवार 20 मई , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

एक लाख से अधिक लोग होंगे शामिल कर्नाटक के मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण समारोह में

बेंगलुरू। कांग्रेस को कर्नाटक में शनिवार को सिद्दारमैया के शपथ ग्रहण समारोह में एक लाख से अधिक लोगों के आने की उम्मीद है और तैयारियां जोरों पर हैं। शपथ ग्रहण समारोह स्थल कांटीरवा स्टेडियम में 25,000 से अधिक लोगों के बैठने की क्षमता है। अधिकारी खेल के मैदान में दूसरों को समायोजित करने की योजना बना रहे हैं। सिद्दारमैया ने 2013 में उसी स्थान पर मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। आधिकारिक सर्कुलर में इस कार्यक्रम में 11 वीवीआईपी के शामिल होने की पुष्टि की गई है। इस कार्यक्रम में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन, राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत, बिहार के सीएम नीतीश कुमार, छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल, हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू, पुडुचेरी के सीएम एन रंगास्वामी और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन हिस्सा ले रहे हैं। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को भी आमंत्रित किया गया है लेकिन खबरों में कहा गया है कि उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए अपनी पार्टी के सांसद को नियुक्त किया है। सिद्दारमैया मुख्यमंत्री पद की शपथ

लेंगे, जबकि डी.के. शिवकुमार दोपहर 12.30 बजे उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस पार्टी के लिए प्रचार करने वाले कन्नड़ सुपरस्टार शिवराज कुमार को भी समारोह में आमंत्रित किया गया है। विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और कांग्रेस के गणमान्य लोगों को जेड प्लस और जेड श्रेणी की सुरक्षा के मद्देनजर तैयारियों को ध्यान में रखा गया। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। फुलप्रूफ सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक अग्रिम सुरक्षा संपर्क (एएसएल) बैठक आयोजित की जा रही है। कर्नाटक पुलिस ने सुरक्षा के लिए 12 एसीपी, 11 रिजर्व पुलिस इंस्पेक्टर, 24 एएसआई, 206 कांस्टेबल तैनात किए हैं। इस बीच, ट्रैफिक के अतिरिक्त आयुक्त एम.ए. सलीम ने बेंगलुरु के उन 122 परीक्षा केंद्रों के आसपास निषेधाज्ञा लागू करने की घोषणा की है, जहां कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) आयोजित किया जाता है। सीईटी में राज्य भर के दो लाख से अधिक छात्र शामिल होंगे। परीक्षा 20 और 21 मई को पूरे दिन आयोजित की जाएंगी। शपथ ग्रहण समारोह के कारण छात्रों को पहले परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने के लिए कहा गया। कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण (केईए) के कार्यकारी निदेशक राम्या ने कहा कि सीईटी परीक्षा के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि जो छात्र कांटीरवा इंडोर स्टेडियम के पास स्थित केंद्रों में परीक्षा दे रहे हैं, जहां शपथ ग्रहण समारोह हो रहा है, उन्हें दो घंटे पहले पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोपहर में परीक्षा देने वाले छात्र ट्रैफिक में फंस सकते हैं और उन्हें बहुत पहले शुरू कर देना चाहिए। छात्रों को बल्क मैसेज भेजे जा रहे हैं और फोन पर इसकी जानकारी भी दी जा रही है। राम्या ने कहा कि छात्रों को असुविधा से बचाने के लिए ट्रैफिक पुलिस कार्रवाई करेगी। इस बीच, डिप्टी सीएम मनोनीत और कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने अन्य नेताओं के साथ कांतीरवा इंडोर स्टेडियम का दौरा किया और तैयारियों का निरीक्षण किया।

रामनवमी हिंसा मामले में बंगाल सरकार ने कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने हावड़ा और हुगली जिले में रामनवमी पर हुई झड़पों की एनआईए जांच के कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। राज्य सरकार ने कहा कि जांच केंद्रीय एजेंसी को नहीं सौंपी जा सकती क्योंकि अदालत का आदेश नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी द्वारा एक गुप्त राजनीतिक मकसद से दायर याचिका पर था। मामले की शुक्रवार को सुनवाई होगी। 27 अप्रैल को कलकत्ता हाई कोर्ट की खंडपीठ ने मामले की एनआईए जांच का आदेश देते हुए राज्य पुलिस को मामले से संबंधित सभी दस्तावेज केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का भी निर्देश दिया था। एनआईए पहले ही इस मामले में छह प्राथमिकी दर्ज कर चुकी है। केंद्रीय एजेंसी ने पश्चिम बंगाल पुलिस के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के अतिरिक्त प्रभारी महानिदेशक, साथ ही चंद्रनगर पुलिस कमिश्नरेट और हावड़ा सिटी पुलिस के आयुक्तों को पत्र भेजकर मामले से संबंधित दस्तावेजों की प्रतियां मांगी थीं।

केरल में आतंक मचा चुके अरीकोम्बन हाथी के काफी फैन

तिरुवनंतपुरम। हैरानी की बात है कि केरल के दुष्ट हाथी अरीकोम्बन जो 10 से ज्यादा लोगों को कुचल चुका है और चावल चुराने के लिए कई राशन दुकानों को तोड़ चुका है, इडुक्की जिले में उसके काफी फैन हैं। हिल स्टेशन के अन्नकारा में ऑटो चालकों के एक समूह ने अरीकोम्बन फैन्स एसोसिएशन का गठन किया है। हाथी को यहीं पर बेहोश करके इंसानों की बस्ती से दूर जंगल में छोड़ा गया था। इसके लिए वन विभाग के अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिस और स्थानीय लोगों को लंबी मशक्कत करनी पड़ी थी।

अनक्करा में शुक्रवार को अरीकोम्बन फैन्स एसोसिएशन के नाम से बड़े–बड़े फ्लेक्स बोर्ड लगे पाए गए। कुछ ऑटो रिक्शा चालकों ने कहा, जब अरीकोम्बन को पकड़ा गया, हमने पूरा ऑपरेशन देखा था। जब ऑपरेशन चल रहा था, तो हाथी के कुछ बच्चे इसे देख रहे थे। हमें दरुख है कि यहां रहने वाले अरीकोम्बन को जबरदस्ती हटा दिया गया। हमें वास्तव में दुरूख हुआ और हमने यह नया संगठन बनाने

का फैसला किया। एक अन्य भावुक अरीकोम्बन प्रशंसक, जो एक ऑटो रिक्शा चालक भी है, ने कहा कि दूसरे प्रयास में हाथी को पकड़ लिया गया। उसने कहा, हम जानते हैं कि इस ऑपरेशन पर बहुत पैसा खर्च किया गया है। अगर अधिकारियों ने इसका एक चौथाई इस्तेमाल किया होता, तो उसे यहां सुरक्षित रूप से बसाया जा सकता था, जो कि उसका सबसे पसंदीदा स्थान था। हम जो कह रहे हैं वह महज कुछ लोगों की नहीं, बहुमत की राय है। अरीकोम्बन का नामकरण इसलिए किया गया क्योंकि उसे चावल पसंद था (मलयालम में अरी का अर्थ चावल और कोम्बन का अर्थ टस्कर होता है) और उसका लक्ष्य ज्यादातर चावल की दुकानें और घर थे जहां चावल जमा किया जाता था। ताजा खबर के मुताबिक, अरीकोम्बन जिसे पिछले महीने कब्जे में लेने के बाद रेडियो कॉलर लगाया गया है, अब वह उस इलाके के आसपास है, जहां से उसे पिछले महीने पकड़ा गया था और उसके प्रशंसक शायद उसकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

पंजाब में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के खिलाफ कार्रवाई के क्रम में मुख्यमंत्री भगवंत मान एक जून से शुरू करेंगे अभियान

चंडीगढ। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को घोषणा की कि एक जून से अवैध कब्जे वाली सभी सरकारी जमीनों को मुक्त कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। सीएम ने अवैध रूप से सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों को 31 मई तक इसे खाली करने को कहा है। पंजाब के ग्रामीण विकास और पंचायत मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने गुरुवार को राज्य के सभी जिला विकास और पंचायत अधिकारियों (डीडीपीओ) को राज्य भर में सभी सरकारी पंचायत भूमि पर अवैध कब्जे को 10 जून तक छोड़ने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष प्रथम चरण में लगभग 9400 एकड़ सरकारी पंचायत भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया है। धालीवाल ने कहा कि कोर्ट से जुड़े मामलों के अलावा सभी सरकारी पंचायत की जमीनों पर शेष अवैध कब्जे को 10 जून तक मुक्त कराया जाए। गौरतलब है कि दूसरे चरण में 469 एकड़ अन्य शासकीय पंचायत की जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया है। स्थानीय पंजाब भवन में राज्य के सभी डीडीपीओ की बैठक

की अध्यक्षता करते हुए धालीवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से सभी विभागों को लोगों को पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन प्रदान करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के उद्देश्य के अनुरूप किसी भी भूमि की बोली के दौरान किसी भी प्रभावित व्यक्ति या राजनीतिक नेता की सिफारिश को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। प्रत्येक भूमि की बोली पारदर्शी तरीके से और बिना किसी सिफारिश के आयोजित की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि शामलात भूमि की बोली लगाने के लिए न्यूनतम 15 हजार रुपये निर्धारित की जाएगी और सफल बोली लगाने वाले से नकद राशि वसूल की जाएगी। उन्होंने इस बात को गंभीरता से लिया कि राज्य में कई जोतों को छोटे–छोटे पट्टे पर दिया जा रहा है, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हो रहा है।

दिल्ली के मंत्री भारद्वाज ने उपराज्यपाल से सेवा सचिव के स्थानांतरण को मंजूरी देने की अपील की

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने उपराज्यपाल वी के सक्सेना से सेवा सचिव आशीष मोरे के स्थानांतरण संबंधी एक फाइल को मंजूरी देने का शुक्रवार को अनुरोध किया और कहा कि इस देरी के कारण कई प्रशासनिक बदलाव अटके हुए हैं। भारद्वाज ने उपराज्यपाल को लिखे पत्र में कहा कि दिल्ली सरकार ने दो दिन पहले फाइल भेजी थी।

दिल्ली सरकार ने 11 मई को सुप्रीम कोर्ट की ओर से उसे स्थानांतरण–पदस्थापना पर नियंत्रण प्रदान करने के कुछ घंटों बाद ही सेवा विभाग के सचिव आशीष मोरे का तबादला कर दिया था। सक्सेना ने भारद्वाज से फाइल को मंजूरी देने का आग्रह करते हुए कहा, ''हमने सचिव (सेवा) को बदलने का प्रस्ताव दो दिन पहले भेजा था। श्श उन्होंने कहा कि दिल्ली की निर्वाचित सरकार कई प्रशासनिक बदलाव करना चाहती है, जिसके लिए सेवा सचिव को बदलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इसमें देरी के कारण बहुत काम रुका हुआ है।

महाराष्ट्रः सुषमा अंधारे पर आरोप लगाना पड़ा महंगा, उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने अप्पासाहेब जाधव को पार्टी से निकाला

मुंबई। महाराष्ट्र में शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने अपनी बीड जिला इकाई के अध्यक्ष अप्पासाहेब जाधव को शुक्रवार को पार्टी से निष्कासित कर दिया। जाधव के खिलाफ यह कार्रवाई उनके द्वारा पार्टी की उप नेता व प्रवक्ता सुषमा अंधारे पर कार्यालय में एयर कंडीशनर लगवाने और उसके लिए फर्नीचर खरीदने के वास्ते कार्यकर्ताओं से पैसे मांगने का आरोप लगाने के बाद की गई है। शिव सेना (यूबीटी) ने पार्टी के एक अन्य स्थानीय नेता धोंडू पाटिल के खिलाफ भी ऐसी ही अनुशासनात्मक कार्रवाई की। जाधव और पाटिल के निष्कासन की खबर शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना के शुक्रवार के संस्करण में प्रकाशित की गई।

जाधव ने बृहस्पतिवार रात एक वीडियो संदेश जारी कर अंधारे पर अपने कार्यालय में एयर कंडीशनर (एसी) लगवाने और उसके लिए फर्नीचर खरीदने के वास्ते पार्टी कार्यकर्ताओं से पैसे मांगने का आरोप लगाया था। हालांकि, अंधारे ने जाधव के आरोपों को खारिज किया था। जाधव ने यह भी दावा किया था कि उन्होंने इस मुद्दे पर हुए विवाद के बाद

अंधारे को दो बार थप्पड़ मारे थे। हालांकि, अंधारे ने ऐसा कोई भी घटनाक्रम होने से भी साफ इनकार किया था। जाधव ने कहा था कि यह घटना बृहस्पतिवार रात को बीड शहर में हुई, जहां शनिवार को शिव सेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की एक रैली प्रस्तावित है। उन्होंने बाद में संवाददाताओं से कहा, "हम पार्टी के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन सुषमा अंधारे हमारे कार्यकर्ताओं से अपने कार्यालय में एसी लगवाने और फर्नीचर खरीदने के लिए पैसे मांग रही हैं। वह मेरे पार्टी पद को भी बेचने की कोशिश कर रही हैं। इसलिए, मेरा अंधारे से झगड़ा हुआ और मैंने उन्हें दो थप्पड़ भी मारे। "वहीं, अंधारे ने फेसबुक पर जारी एक फेसबुक पर जारी एक वीडियो में कहा, "(जाधव द्वारा लगाए गए) आरोप हास्यास्पद हैं। लेकिन, मैं यहां एकनाथ शिंदे गुट के पटकथा लेखक की तारीफ करना चाहूंगी।

" उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिव सेना गुट पर पूरे घटनाक्रम की पटकथा लिखने का आरोप भी लगाया। अंधारे ने दावा किया, "बीड में लंबे समय के बाद शिवसेना (यूबीटी) की एक बड़ी रैली होनी है और ये आरोप आगामी आयोजन को बदनाम करने की साजिश है। रैली स्थल पर जाधव और कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया। मैं विवाद सुलझाने के लिए पार्टी के स्थानीय नेताओं के साथ मौके पर पहुंची, लेकिन जाधव वहां से भाग गए। " इस बीच, नांदेड़ में शुक्रवार को बीड की घटना पर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए शिव सेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा, "यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। सुषमा अंधारे पार्टी की एक बड़ी नेता हैं। पार्टी ने इस घटना का संज्ञान लिया है और अप्पासाहेब जाधव के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने आनंद मोहन को दी गई छूट के संबंधित मूल रिकॉर्ड पेश करने का बिहार सरकार को दिया निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बिहार सरकार को पूर्व सांसद आनंद मोहन को दी गई छूट के संबंध में मूल रिकॉर्ड पेश करने का निर्देश दिया, जिन्हें 1994 में गोलापगंज के जिलाधिकारी जी. कृष्णया की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। जस्टिस सूर्यकांत और जे.बी. पारदीवाला की पीठ ने बिहार सरकार के वकील को मोहन को दी गई छूट से संबंधित मूल रिकॉर्ड अदालत के अवलोकन के लिए पेश करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई अगस्त में निर्धारित की है। 8 मई को, सुप्रीम कोर्ट ने आईएएस अधिकारी जी. कृष्णया की विधवा की याचिका पर नोटिस जारी किया था, जिन्हें 1994 में सिंह के नेतश्त्व वाली भीड़ ने पीट–पीटकर मार डाला था, आनंद मोहन की जेल से समय से पहले रिहाई के खिलाफ। उमादेवी कृष्णया द्वारा दायर याचिका में कहा गया है, मौत की सजा के विकल्प के रूप में एक दोषी को दी गई आजीवन कारावास की सजा को अलग तरह से देखा

जाना चाहिए और पहली पसंद की सजा के रूप में दिए गए सामान्य आजीवन कारावास से अलग किया जाना चाहिए। मौत की सजा का एक विकल्प, अदालत द्वारा निर्देशित सख्ती से किया जाना चाहिए और छूट के आवेदन से परे होगा। कहा, आजीवन कारावास का अर्थ है पूरा जीवन। इसकी 14 साल की व्याख्या नहीं की जा सकती है। इसका मतलब है कि अंतिम सांस तक कारावास। बिहार के जेल नियमों में संशोधन के बाद आनंद मोहन को सहरसा जेल से रिहा कर दिया गया। याचिका में कहा गया है कि मोहन राजनीतिक रूप से प्रभावशाली व्यक्ति है और उसने खुद सांसद रहते हुए सेवारत आईएएस अधिकारी जी कृष्णया की हत्या की है। उन्हें राजनीतिक समर्थन प्राप्त है और उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले लंबित हैं। दलील में तर्क दिया गया कि बिहार जेल नियमावली, प्रावधान है कि जिन दोषियों की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया गया है, वे 20 साल की सजा पूरी होने के बाद ही छूट के पात्र होंगे। 1994 में गोपालगंज के तत्कालीन जिलाधिकारी कृष्णया, जो तेलंगाना के रहने वाले थे, को भीड़ ने पीट–पीट कर मार डाला था, जब उनके वाहन ने गैंगस्टर छोटन शुक्ला के अंतिम संस्कार के जुलूस को ओवरटेक करने की कोशिश की थी। भीड़ को आनंद मोहन ने उकसाया था।

कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार बोले- सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा ऐतिहासिक

बंगलुरु। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि 20 मई को कांग्रेस सरकार का शपथ ग्रहण समारोह एक ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा। बेंगलुरु में संवाददाताओं से बात करते हुए, शिवकुमार ने कहा कि नई सरकार जो लोगों की आवाज है और जिसे लोग देखते हैं, वह शनिवार को आकार लेने जा रही है।

हमारे सभी राष्ट्रीय नेता शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने आ रहे हैं। कैबिनेट के पहले दिन, हम सभी गारंटी योजनाओं को लागू करने जा रहे हैं। कई राष्ट्रीय नेता भी इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं से आह्वान करता हूं कि वे मीडिया के माध्यम से दिए गए इस बयान को निमंत्रण मानें और कार्यक्रम में शामिल हों। लोगों को सुबह 11 बजे से पहले कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना है। उन्होंने कहा, मैं जद

(एस), भाजपा के अन्य पार्टी नेताओं को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं। वे भी सरकार का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, कैबिनेट विस्तार के पहले चरण को अंतिम रूप देने के लिए हम एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला से मिलने जा रहे हैं। शिवकुमार ने कैबिनेट गठन में क्षेत्र या जाति प्राथमिकताओं पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, हमारी पहली प्राथमिकता लोगों को दी गई गारंटी को बनाए रखना है। भ्रम की कोई गुंजाइश नहीं है। हम एकजुट होकर काम करेंगे। हमारे पास जाति क्षेत्र आधारित कोई प्राथमिकता नहीं है। केवल एक ही क्षेत्र है। गारंटी योजनाओं के लिए आवेदन करने वाली शर्त के बारे में पूछे जाने पर, शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि ये योजनाएं सिद्दारमैया या उन्होंने नहीं दी हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने एक योजना का वादा किया था, गृहलक्ष्मी योजना की घोषणा प्रियंका गांधी ने की थी और हमने (सिद्दारमैया, शिवकुमार) अन्य योजनाओं की घोषणा की है। ये कांग्रेस द्वारा दिए गए वादे हैं।

सम्पादकीय

सिद्ध हुए सिद्धारमैया

कर्नाटक में भारी बहुमत से जीत के बावजूद मुख्यमंत्री तय करने को लेकर जो गतिरोध कांग्रेस पार्टी में चल रहा था, आखिरकार उसका पटाक्षेप हो ही गया। राजयोग सिद्धारमैया के हिस्से में आया। औपचारिकताओं के निर्वहन के बाद उनकी ताजपोशी होनी है। हालांकि ऊपरी तौर पर कांग्रेस के नेता कहते रहे हैं कि लोकतांत्रिक पार्टी होने के कारण सहमति पर मंथन जारी है। लेकिन आम विमर्श में यह मुद्दा हावी रहा कि विधानसभा चुनाव में 135 सीटें जीतने के बावजूद दल का नेता चुनने में देरी क्यों हो रही है। कर्नाटक में पार्टी की जीत का नेतश्त्व करने वाले डीके शिवकुमार कहते रहे हैं कि 'उन्होंने पांच साल पार्टी के लिये संघर्ष किया, जेल भी गये। वे वफादार कांग्रेसी हैं। मुझे इस लॉयल्टी की रॉयल्टी मिलनी चाहिए।' लेकिन बेंगलुरू से लेकर दिल्ली तक लगातार चले मंथन के बाद किस्मत सिद्धारमैया की खुली। मामले में सोनिया गांधी के अलावा राहुल गांधी व कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे रास्ता निकालने में जुटे रहे। बताते हैं सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद शिवकुमार ने मुख्यमंत्री पद की दावेदारी वापस ली। निस्संदेह, दो मजबूत दावेदारों के चलते कांग्रेस पार्टी धर्मसंकट में फंसती नजर आई। सियासी गलियारों में घटनाक्रम को लेकर तरह–तरह के कयास लगाये जाते रहे। निस्संदेह, शिवकुमार ने भाजपा के खिलाफ पार्टी को मजबूत करने के लिये अथक प्रयास भी किये। उनकी अद्भुत संगठन क्षमता और वित्तीय संसाधन जुटाने की क्षमता की तारीफ पार्टी भी करती रही है। लेकिन वहीं दूसरी ओर सिद्धारमैया भी जनता के बीच खासे लोकप्रिय बताये जाते हैं। उनकी देहाती व धर्मनिरपेक्ष छवि बड़े वर्ग को आकर्षित करती है। वर्ष 2013 से 2018 तक उन्होंने कांग्रेस सरकार को पूरे पांच साल तक कुशलता से चलाया। उनके सरकार चलाने के हुनर की तारीफ भी होती है। साथ ही एक बड़ा वोट बैंक उनके साथ रहा है। कर्नाटक में उस कुरूबा जाति के वे सर्वस्वीकार्य नेता हैं जिसकी उपस्थिति राज्य में आठ फीसदी के करीब है। वहीं दूसरी ओर उन्होंने दलितों, मुस्लिमों व पिछड़े वर्गों में खासी पैठ बनायी है। दरअसल, सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री बनाये जाने के पीछे कांग्रेस नेतश्त्व की दूरगामी सोच रही है। उसकी चिंता अगले साल होने वाले आम चुनावों को लेकर भी है। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को राज्य में एक ही सीट हासिल हुई थी। इस विधानसभा चुनाव में सिद्धारमैया ने जिस तरह अपनी धर्मनिरपेक्ष छवि के साथ अहिंदा समूह यानी अल्पसंख्यक, अन्य पिछड़ा वर्ग और दलित मतदाताओं को कांग्रेस के साथ जोड़ा, उससे पार्टी की उम्मीदों को ऊर्जा मिली है। भाजपा द्वारा आरक्षण नीति में बदलाव के चलते छिटके मुस्लिम मतदाता भी कांग्रेस की ओर लौटे। इसके बावजूद शिवकुमार में पार्टी को संकट से निकालने की अद्भुत क्षमता है। बेंगलुरू ग्रामीण लोकसभा के अलावा उनका अपने समुदाय वोक्कालिगा में खासा प्रभाव रहा है। जिससे भाजपा व जेडीएस का वोट बंटा है। उनकी आर्थिक संसाधन जुटाने की अद्भुत क्षमता के चलते भाजपा के शीर्ष नेतश्त्व की ओर से कहा जाता रहा है कि कांग्रेस कर्नाटक को पार्टी का एटीएम बना देगी। दरअसल, कांग्रेस के डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने में संकोच के पीछे एक वजह यह भी थी कि वे काफी समय तक वित्तीय मामलों में केंद्रीय जांच एजेंसियों के राडार पर रहे हैं। ऐसे में पार्टी को चिंता थी कि केंद्र सरकार के इशारे पर उनके खिलाफ मुख्यमंत्री बनते ही कार्रवाई तेज हो सकती है। जिससे पार्टी की छवि को आंच आ सकती है। दरअसल, आसन्न लोकसभा चुनाव के समीकरणों का लाभ उठाने के मकसद से सिद्धारमैया को कर्नाटक की बागडोर सौंपी गई है। बहरहाल, मुख्यमंत्री पद की रेस के बाद भले ही नेतश्त्व का प्रश्न सुलझाने का दावा किया जा रहा है, लेकिन पार्टी के सामने आगे की चुनौतियां भी कम नहीं हैं। इस शानदार जीत को संभालना भी आसान नहीं होगा। शिवकुमार उप मुख्यमंत्री बनने के साथ पार्टी संगठन का दायित्व भी संभालेंगे। हालांकि, यह महत्वपूर्ण है कि दोनों नेताओं ने अपने मनभेद–मतभेद को सार्वजनिक मंचों पर जाहिर नहीं होने दिया।

चुभती हुई हकीकतें

ताजा सामने आए कुछ आंकड़े मुमकिन है, देश में कम लोगों तक ही पहुंच पाएं। लेकिन जिनकी नजर उन पर है, वे अवश्य ही एक बार फिर देश की असली हकीकत और डेमोग्राफिक डिविडेंड जैसी बातों से आगाह होंगे।

चीन के साथ पश्चिम के बढ़ते टकराव के साथ ही पश्चिमी मीडिया ने भारत के आर्थिक विकास के मामले में अगला हॉट स्पॉट होने का गुब्बारा खूब फुला रखा है। भारत सरकार के लिए तो यह एक उपहार की तरह है, जिसकी चुनावी रणनीति में हेडलाइन मैनेज करना और उनके जरिए सकारात्मक धारणाएं बनाना सर्वोपरि महत्त्व का बना रहा है। चूंकि सरकार और पश्चिमी मीडिया एक जैसी बातें कहते सुने जाते हैं, तो इसमें कोई हैरत नहीं है कि भारतीय जनमत का एक बड़ा हिस्सा सचमुच इस कहानी में यकीन कर रहा है। अमेरिका में पढ़ाने वाले भारतीय प्रोफेसरों अरविंद सुब्रह्मण्यम और अशोक मोदी ने हाल में अपने शोधपत्र और किताब से भारत के लोगों को हकीकत का अहसास कराने की कोशिश है, लेकिन उनकी तथ्यपरक बातें कम ही लोगों तक पहुंच पाई हैं। इस माहौल में ताजा सामने आए कुछ आंकड़े भी कम लोगों तक ही पहुंच पाएंगे, लेकिन जिनकी नजर उन पर है, वे अवश्य ही एक बार फिर देश की असली हकीकत पर गौर करेंगे। एक आंकड़ा तो राष्ट्रीय सैंपल सर्वे 2020–21 से सामने आया है, जो डिजिटल इंडिया की असलियत से हमें वाकिफ कराता है। इसके मुताबिक भारत में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग में सिर्फ 41 प्रतिशत लोग ऐसे हैं, जो इंटरनेट पर किसी फाइल या फोल्डर को कॉपी या उसे मूव करने में सक्षम हैं।

प्रशांत सागर देश, मोदी की यात्रा

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की आस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनिया की यात्रा रद्द किए जाने से आस्ट्रेलिया के सिडनी में क्वाड शिखर बैठक को रद्द करना पड़ा, बल्कि पापुआ न्यू गिनिया आयोजित प्रशांत महासागर स्थित द्वीप देशों के नेताओं की बैठक को भी रद्द करना पड़ा। जो बाइडेन की यात्रा रद्द करने की मजबूरी अमेरिका के घरेलू संकट की वजह से आई है। अमेरिका का कर्ज सीमा संकट गम्भीर मोड़ पर पहुंचता हुआ दिखाई दे रहा है। अगर इसी महीने अमेरिकी कांग्रेस कर्ज सीमा बढ़ाने पर राजी नहीं हुई तो अमेरिका के लिए ऋण डिफाल्ट करने तक की नौबत आ सकती है। अमेरिका के ऋण संकट ने जो बाइडेन को एक बड़ी कूटनीतिक पहल करने से रोक दिया। जो बाइडेन की पहली प्राथमिकता अपने घर को सम्भालना है। यद्यपि बाइडेन जापान में जी–7 समिट में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज से जापान और पापुआ न्यू गिनिया और आस्ट्रेलिया की यात्रा पर जाएंगे। इसमें कोई संदेह नहीं कि उनके शासनकाल में भारत की कूटनीति को नए आयाम हासिल हुए हैं। दुनिया के सबसे शक्तिशाली नेताओं के बीच आत्मविश्वास से भरा एक मजबूत नेता, एक मजबूत भारत का प्रतिनिधि ा, एक ऐसा देश जो आर्थिक विकास कर रहा है। दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले भारत को अब पश्चिमी देश विस्तारवादी चीन के मंसूबों पर विराम लगाने वाले एशिया के सबसे शक्तिशाली देश के तौर पर देखते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जापान और पापुआ न्यू गिनिया की यात्रा का अपना एक महत्व है। जापान इस समय जी–7 समिट की अध्यक्षता करता रहा है। जी–7 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत उन गिने–घ्चुने देशों में शामिल है जो परमाणु अप्रसार संधि में शामिल नहीं हैं। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री हिरोशिमा शहर जा रहे हैं।

पंडित नेहरू 1957 में हिरोशिमा गए थे लेकिन भारत द्वारा 1974 में परमाणु परीक्षण के बाद इस शहर का कोई दौरा नहीं हुआ। जापान के प्रधानमंत्री किशिदा फूमियो हिरोघ्शिमा से हैं। जी–7 देशो में जापान, इटली, कनाडा, फ्रांस, अमेरिका, यूके और जर्मनी शामिल हैं। समिट के लिए गैर सदस्य देशों को भी बुलाया जाता है। भारत इस वर्ष जी–20 की अध्यक्षता कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी–7 सम्मेलन में अपनी प्राथमिकताओं पर एक राय बनाने की कोशिश करेंगे। प्रधानमंत्री स्थिरता और समृद्धि, खाद्य, उर्वरक, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण और बुनियादी ढांचा तथा विकास सहयोग जैसे मुद्दों पर बातचीत करेंगे। जापान के प्रधानमंत्री किशिदा फूमियो और अन्य नेताओं से भी उनकी बातचीत होगी। जापान और भारत के बीच औपचारिक संबंध ा 1952 में शुरू हुए थे। राजनयिक संबंधों की स्थापना से पहले ही दोनों देशों के बीच सद्भावना व्यापार, शैक्षिणक और सांस्कृतिक संबंध बने हुए थे। संबंधों के 71 वर्षों के दौरान दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी में संबंध विकसित हुए हैं। जापान ने भारत को मैट्रो रेल परियोजना के साथ–साथ कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में पूर्ण सहयोग दिया है और कई क्षेत्रों में वह लगातार निवेश और सहायता कर रहा है। भारत में आटोमोबाइल सैक्टर के विकास में जापान की महत्वपूर्ण भूमिका है। जापान के बाद प्रधानमंत्री मोदी पापुआ न्यू गिनिया और आस्ट्रेलिया भी जाएंगे। पापुअ न्यू गिनिया के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मारापे के साथ द्विपक्षीय बैठक तो करेंगे ही साथ ही फोरम फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड्स कार्पोरेशन की शिखर बैठक में भी भाग लेंगे। भारत के लिए प्रशांत क्षेत्र के द्विपीय देश काफी महत्वपूर्ण हैं। प्रशांत क्षेत्र में हाल ही के वर्षों में चीन का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। चीन का प्रभाव कम करने के लिए अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया तो सहयोग कर ही रहे हैं लेकिन भारत को प्रशांत क्षेत्र के द्वीप देशों की तरफ भी दोस्ती और सहायता का हाथ बढ़ाना जरूरी है। भारत और पापुआ न्यू गिनिया के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी होंगे। यद्यपि क्वाड की बैठक नहीं होगी लेकिन प्रधानमंत्री मोदी आस्ट्रेलिया दौरे पर जाएंगे और आस्ट्रेलिया–भारत व्यापारिक संबंधों पर चर्चा करेंगे। भारत और आस्ट्रेलिया संबंध पहले से ही काफी मधुर और मजबूत हैं। दोनों देशों में हिन्द प्रशांत क्षेत्र के घ्विकास के संबंध में विचारों का आदान–प्रदान होगा और एक मुक्त खुले और समावेशी हिन्द प्रशांत के घ्लिए विजन को आगे बढ़ाने पर चर्चा भी आवश्य होगी। भारत और जापान की सेनाएं अमेरिका और आस्ट्रेलिया के साथ नौसेना अभ्यासों का अहम हिस्सा हैं। साझा खतरा चीन और उसकी बढ़ती नौसेना की मौजूदगी है जो सबसे बड़ी चुनौती है। मोदी के नेतृत्व में भारत ने विदेश निति में नई इबारत लिखी है। **–आदित्य नारायण**

सिद्धारमैया की ही ताजपोशी

कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रचंड चुनावी विजय प्राप्त करने के बाद जिस तरह मुख्यमन्त्री के चयन को लेकर पिछले पांच दिनों से उलझन चल रही थी उसका निपटारा हो गया है और श्री सिद्धारमैया को इस पद के लिए पार्टी आलाकमान द्वारा चुन लिया गया है। इस पद के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री डी.के. शिवकुमार भी अपना मजबूत दावा ठोक रहे थे जिसकी वजह से कांग्रेस ने नये चुने हुए विधायकों के बीच दोनों नेताओं में चुनाव भी कराया जिसमें श्री सिद्धारमैया का वजन बहुत ज्यादा निकला। हालांकि यह शुरू से ही माना जा रहा था कि मुख्यमन्त्री पद के लिए श्री सिद्धारमैया की कर्नाटक की आम जनता के बीच भारी लोकप्रियता को देखते हुए उनके ही नाम का चयन किया जाना पार्टी व जनता के हित में होगा परन्तु इसके बावजूद कांग्रेस पार्टी ने अपना नेता चुनने की जिम्मेदारी पहले विधायकों पर छोड़ी और बाद में आलाकमान ने अपना फैसला सुनाया। बेशक ये खबरें भी फैलीं कि श्रीमती सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद ही श्री डी.के. शिवकुमार ने अपना दावा छोड़ा और नई सरकार में उपमुख्यमन्त्री बनना स्वीकार किया। यह तथ्य भी स्वीकार योग्य है कि श्री शिवकुमार इस बार अपनी कनकपुरा विधानसभा सीट से पूरे प्रदेश में सर्वाधिक सवा लाख के करीब वोटों से जीते हैं जबकि श्री सिद्धारमैया 45 हजार के करीब मतों से वरुणा सीट से विजयी रहे हैं मगर यह उनकी योग्यता व लोकप्रियता मापने का पैमाना नहीं हो सकता क्योंकि चुनावी हार–जीत कई दूसरे मुद्दों पर निर्भर करती है। हकीकत यही रहेगी कि श्री सिद्धारमैया विधायकों के साथ आम जनता में भी काफी लोकप्रिय हैं। श्री शिवकुमार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भी हैं अतः यदि वह मन्त्रिमंडल में शामिल होने का फैसला करते हैं तो उन्हें यह पद छोड़ना पड़ेगा क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने उदयपुर में हुए अपने चिन्तन शिविर में तय किया था कि एक व्यक्ति को केवल एक ही पद मिलेगा। हालांकि आलाकमान का कहना है कि घ्शिवकुमार अगले लोकसभा चुनाव तक कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे क्योंकि पिछले लम्बे अर्से से वह कर्नाटक में कांग्रेस की प्राणवायु की तरह काम करते रहे हैं और अखिल भारतीय स्तर पर इसके संकट मोचक भी बने रहे हैं परन्तु लोकतन्त्र में सबसे ऊपर जन हित होता है और उसके बाद निजी हित आता है जबकि राष्ट्र हित के आगे इन सभी हितों का कोई मूल्य नहीं होता। श्री शिवकुमार के सामने लक्ष्य यह था कि जिस तरह उन्होंने चुनाव में पूरी पार्टी की एकात्म सांगठनिक शक्ति को बरकरार रखते हुए सत्ताधारी भाजपा को परास्त किया है उसी एकता का परिचय वह अपनी पार्टी की सरकार चलाने में भी दें। अतः 20 मई को कर्नाटक में सिद्धारमैया सरकार शपथ ले लेगी। वैसे लोकतन्त्र में किसी राजनैतिक दल के भीतर नेतृत्व के लिए प्रतियोगिता होना कोई गलत बात नहीं होती। इससे स्पष्ट होता है कि पार्टी में नेतृत्व संभालने के लिए योग्य नेताओं की कमी नहीं है। कांग्रेस पार्टी में इस मामले में बहुत लम्बी स्वस्थ परंपरा है। कर्नाटक में तो मुख्यमन्त्री का ही मसला था। इस पार्टी में तो प्रधानमन्त्री तक के पद को लेकर स्वस्थ प्रतियोगिता होती रही है। आजादी से पहले के कई उदाहरणों का यदि हम जिक्र न भी करें तो 1966 जनवरी में श्री लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु के बाद नये प्रधानमन्त्री को लेकर पेंच फंस गया था क्योंकि इस पार्टी के सबसे अनुभवी व वरिष्ठ नेता स्व. मोरारजी देसाई अड़ गये थे कि उनका इस पद पर दावा बनता है। उस समय कांग्रेस के अध्यक्ष स्व. कामराज नाडार थे। पार्टी अध्यक्ष होने की वजह से उन्हें लगता था कि नया प्रधानमन्त्री पं. नेहरू की बेटी इंदिरा गांधी को होना चाहिए मगर संसदीय दल में किसी नाम पर भी सर्वसम्मति नहीं हो पा रही थी क्योंकि सांसदों का एक गुट श्री देसाई के पक्ष में था। अतः उन्होंने संसदीय दल में दोनों उम्मीदवारों पर गुप्त मतदान कराया । जब पर्चियां खुली तो श्रीमती गांधी के पक्ष में भारी बहुमत आया और श्री कामराज ने इंदिरा जी को प्रधानमन्त्री पद का सफल दावेदार घोषित कर दिया। चुंकि यह चुनाव पार्टी के आन्तरिक लोकतन्त्र के तहत कराया गया था अतः श्री देसाई से कहा गया कि वह उप प्रधानमन्त्री का पद स्वीकार करें और वित्त मन्त्रालय संभालें। इस प्रकार यह विवाद लोकतान्त्रिक प्रक्रिया द्वारा सुलझाया गया। यदि श्री शिवकुमार आलाकमान का फैसला स्वीकार न करते तो यह पूरी तरह विद्रोह की श्रेणी में आता जिसके बारे में श्री शिवकुमार सोच भी नहीं सकते हैं क्योंकि वह शुरू से ही पार्टी के प्रति समर्पित रहे हैं और जानते हैं कि श्री सिद्धारमैया का आम जनता की नजरों में कितना ऊंचा रुतबा है। श्री शिवकुमार भी जनता के बीच में काम करते हुए ही यहां तक पहुंचे हैं अतः वह गफलत में नहीं रह सकते और समझते हैं कि श्री सिद्धारमैया किस दर्जे के 'जन–नेता' हैं। अतः उन्हें सारे गिले–शिकवे भुलाकर कांग्रेस की विजय का जश्न मनाना चाहिए और जनता से किये वादों को पूरा करने की फिक्र करनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष :– भावना से उद्वेलित मन निकट संबंधों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं।

बृषभ :– भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओ द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।

मिथुन :– भावनाओं पर नियंतग्रख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।

कर्क :– महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक–सुख साधन में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।

सिंह :– किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।

कन्या :– नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

तुला :– कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन–सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।

वृश्चिक :– किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।

धनु :– रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

मकर :– सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

कुंभ :– पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। शासन–सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पूजा–पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। नये दायित्वों की पूर्ति होगी।

मीन :– पिता के सहयोग से मुश्किल दिनों में राहत मिलेगी। बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता लाएगा। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

मोदी सरकार में बड़ा बदलाव

कर्नाटक हारने और अगले कई विधानसभा चुनाव और आम चुनाव से पहले मोदी सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। कानून मंत्री के पद से किरन रिजिजू को मुक्त कर अब उन्हें पश्थ्वी विज्ञान मंत्रालय दिया गया है। श्री रिजिजू की जगह अब राजस्थान से ताल्लुक रखने वाले अर्जुन राम मेघवाल को कानून मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार सौंपा गया है, संस्कृति मंत्रालय वे पहले से ही संभाल रहे हैं। भाजपा के एक समर्पित कार्यकर्ता की तरह किरन रिजिजू ने इस बदलाव पर प्रतिक्रिया दी कि श्प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में कानून मंत्री के रूप में काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं चीफ जस्टिस समेत सुप्रीम कोर्ट के जजों, हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस, निचले कोर्ट के जजों और सभी कानून अधिकारियों का भी शुक्रगुजार हूं। मैं अर्थ साइंसेज मंत्रालय में भी उसी उत्साह से काम करूंगा, जैसा बीजेपी कार्यकर्ता के रूप में करता रहा हूं। कानून मंत्रालय बमुश्किल दो साल तक किरन रिजिजू के पास रहा। उन्हें 2021 में कानून मंत्री बनाया गया था, इससे पहले रविशंकर प्रसाद के जिम्मे ये मंत्रालय था, मगर वे भी अचानक इसी तरह हटा दिए गए थे। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में चार साल में दो बार कानून मंत्री बदल दिए गए, तो सवाल उठना लाजिमी है कि इस महत्वपूर्ण मंत्रालय को संभालने वाले क्या जिम्मेदारियों को निभा नहीं पा रहे या फिर उनसे कुछ उम्मीदें सरकार और भाजपा की हैं, जो पूरी नहीं हो पा रही हैं। और जहां तक सवाल किरन रिजिजू के उत्साह का है, तो इसके कई उदाहरण उन्होंने अपने कार्यकाल में प्रस्तुत किए हैं।

देश में अतीत में ऐसे अनेक मौके आए, जब सरकार और न्यायपालिका के बीच मतभेद हुए, एक–दूसरे के कार्यक्षेत्र में दखल के आरोप लगे, टकराव हुए लेकिन लोकतंत्र के स्तंभों में परस्पर सम्मान और विश्वास बना रहा। मगर किरन रिजिजू ने अपने कार्यकाल के दौरान ऐसे कई बयान न्यायिक व्यवस्था पर दिए, जिससे विवाद खड़े हुए और अप्रिय स्थिति निर्मित हुई। इसी साल 18 मार्च को किरन रिजिजू ने एक कार्यक्रम में कहा था कि श्कुछ रिटायर्ड जज हैं, जो एंटी इंडिया ग्रुप का हिस्सा बन गए हैं।श जो लोग देश के खिलाफ काम करेंगे, उन्हें उसकी कीमत चुकानी होगी। भारत में ऐसा कभी नहीं हुआ कि कानून मंत्री के ओहदे पर बैठे किसी व्यक्ति ने सेवानिवृत्त जजों को लेकर ऐसी टिप्पणी की हो। उनके इस बयान के बाद सुप्रीम कोर्ट और कई हाई कोर्ट के 300 से अधिक वरिष्ठ वकीलों ने एक बयान जारी कर कहा था, कानून मंत्री रिटायर्ड जजों को धमकी दे कर नागरिकों को ये संदेश देना चाहते हैं कि आलोचना की किसी भी आवाज को बर्दाश्त नहीं किया

जाएगा। इसी तरह 16 जनवरी 2023 को टाइम्स ऑफ इंडिया में एक रिपोर्ट छपी, जिसमें दावा किया गया कि किरन रिजिजू ने भारत के चीफ जस्टिस को एक पत्र लिखकर कॉलेजियम में केंद्र और राज्य सरकार के प्रतिनिधियों को शामिल करने का सुझाव दिया था। इस मामले को लेकर विपक्षी पार्टियां, भाजपा पर हमलावर हो गई थीं। इस तरह के बयानों से देश में अनावश्यक विवाद तो खड़े हुए ही, मोदी सरकार भी बार–बार सवालों के दायरे में आई, कि जो विचार किरन रिजिजू व्यक्त कर रहे हैं, वो उनके अपने हैं या किसी के इशारे पर वे ऐसा कह रहे हैं। न्यायपालिका और सरकार के बीच लगातार टकराव बने रहने की स्थिति से भी अच्छा संदेश नहीं जा रहा था। मुमकिन है मोदी सरकार अपने लिए विपरीत हो रहे हालात में विवादों से बचने की युक्ति तलाश रही हो और इसमें पहला कदम किरन रिजिजू को कानून मंत्री के पद से हटाना हो। बीते कुछ समय में न्याय क्षेत्र से सरकार के अनुकूल खबरें आ भी नहीं रही हैं। कर्नाटक चुनाव में भाजपा सरकार ने आरक्षण का दांव खेलते हुए मुस्लिमों को मिलने वाले 4 प्रतिशत आरक्षण को खत्म कर लिंगायत और वोक्कालिगा समुदायों में बांटने का फैसला लिया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि कर्नाटक सरकार का मुस्लिमों के लिए चार प्रतिशत कोटा खत्म करने का फैघ्सला नौ मई तक लागू नहीं होगा। आरक्षण के दांव को एक फैसले से विफल कर दिया गया और बाकी तीर भी बेकार ही गए, लिहाजा भाजपा कर्नाटक हार गई। इससे पहले महाराष्ट्र विवाद में सुप्रीम कोर्ट से शिंदे सरकार को बरकरार रहने का फैसला तो सुनाया गया, लेकिन जिस तरह तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की गलती पर अदालत ने टिप्पणी की, उससे भाजपा को शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। दिल्ली मामले में भी शीर्ष अदालत ने एलजी की जगह प्रशासनिक सेवाओं को दिल्ली सरकार के पास रखने का फैसला सुनाया। हाल ही में दिल्ली नगर निगम में एल्डरमैन की नियुक्ति का फैसला सुनाते हुए अदालत ने टिप्पणी की कि उपराज्यपाल को दिल्ली नगर निगम में एल्डरमैन नामित करने की शक्ति देने का मतलब होगा कि वह एक निर्वाचित नागरिक निकाय को अस्थिर कर सकते हैं। तीन महीने पहले चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर शीर्ष अदालत ने आदेश दिया था कि इनकी नियुक्ति अब सीबीआई निदेशक की तरह होगी जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और सीजेआई का पैनल नियुक्ति करेगा। यह मोदी सरकार के लिए बड़ा झटका था, क्योंकि निर्वाचन आयोग पर सरकार दबाव बनाती है, ये आरोप सरकार पर लगते रहे हैं। कुल मिलाकर कानून मंत्री के तौर पर किरन रिजिजू का सफर उबड़–खाबड़ रहा, विवादों और बाधाओं के ढेले–पत्थर लगातार उछलते रहे। इससे मोदी सरकार पर दाग लगने का खतरा बना हुआ था। अभी अदानी–हिंडनबर्ग प्रकरण, राहुल गांधी को मानहानि पर सजा के खिलाफ दायर याचिका ऐसे कुछ मामले हैं, जिन पर फैसला आना बाकी है और इनका सीधा असर भाजपा और मोदी सरकार पर होगा। संभवतः इन सारी वजहों से यह बड़ा फैसला अचानक लिया गया। दूसरी ओर राजस्थान चुनाव को ध्यान में रखते हुए संभवतरू अर्जुन राम मेघवाल को कानून मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है। श्री मेघवाल दलित समुदाय से हैं और इनके जरिए राजस्थान की 16 प्रतिशत दलित आबादी को भाजपा साध सकती है। कर्नाटक में जिस तरह एससी, एसटी समुदायों ने भाजपा को किनारे लगाया है, उसके बाद छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान, और तेलंगाना की आदिवासी और दलित आबादी के बीच पैठ बनाना भाजपा के लिए चुनौती है। भाजपा इसी की तैयारी कर रही है। अक्सर साइकिल से चलने वाले श्री मेघवाल पूर्व नौकरशाह हैं तो उन्हें सरकार और प्रशासन दोनों का अच्छा तर्जुबा है। देखना होगा कि भाजपा को चुनाव में इस फेरबदल का क्या लाभ होता है।

ये नतीजे जो बताते हैं

अगर एक दूसरे प्रस्थान बिंदु से देखें, तो कहा जा सकता है कि महंगाई और अन्य आर्थिक समस्याओं, कुशासन और भ्रष्टाचार जैसे ठोस मुद्दों के बावजूद भाजपा अपने वोट आधार को बचाए रखने में लगभग सफल रही है।

कर्नाटक विधानसभा के चुनाव परिणाम से ना सिर्फ कांग्रेस, बल्कि पूरे भाजपा विरोधी खेमे का उत्साहित होना लाजिमी है। आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी के अन्य नेताओं की हिंदुत्व को और उग्र रूप देने की कोशिश वहां कामयाब नहीं हो सकी। साथ ही पिछले तीन साल में वहां भाजपा सरकार ने जिस तरह से सांप्रदायिक उबाल को बनाए रखा, वह भी काम नहीं आया। इतना सब कुछ होने के बावजूद भाजपा के वोट प्रतिशत में मामूली–सी सेंध लग गई। लेकिन यहां इस हकीकत के प्रति भी विपक्ष को अवश्य आगाह रहना चाहिए कि यह सेंध मामूली ही है। अगर दूसरे प्रस्थान बिंदु से देखें, तो कहा जा सकता है कि महंगाई और अन्य आर्थिक समस्याओं, कुशासन और भ्रष्टाचार जैसे ठोस मुद्दों के बावजूद भाजपा अपना वोट आधार बचाए रखने में लगभग सफल रही है। इसका अर्थ यह है कि भाजपा ने अपने मुद्दों पर मतदाताओं के जिन हिस्सों को गोलबंद किया है, वह बाकी तमाम मसलों को दरकिनार कर पार्टी के साथ बने हुए हैं। ऐसा ही संकेत हाल में देश के अन्य हिस्सों में हुए तमाम चुनावों में भी मिला है। इसलिए कर्नाटक में जीत के उत्साह में यह सोच लेना अब देश में नैरेटिव बदल गया है और 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के सामने प्रतिकूल स्थितियां होंगी, गलत आकलन होगा। कम से कम यह तो जरूर कहा जा सकता है कि ऐसे आकलन को अभी सिर्फ जल्दबाजी या अति–उत्साह कहा जा सकता है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि शनिवार को ही उत्तर प्रदेश के दो विधानसभा उपचुनावों के साथ–सथ स्थानीय निकाय चुनावों के भी परिणाम भी आए। इनमें भाजपा गठबंधन को भारी जीत मिली। इसलिए सारे देश में सियासी माहौल बदल जाने की बात निराधार है। वैसे भी कर्नाटक में कांग्रेस एक मजबूत समर्थन आधार के साथ मैदान में उतरी थी। 2018 के विधानसभा चुनाव में भी उसे भाजपा से लगभग 2.5 प्रतिशत वोट अधिक मिले थे। इस बार उसके वोटों में बढ़ोतरी जेडी (एस) की कीमत पर हुई। स्पष्ट है, उसे भाजपा का मुख्य प्रतिद्वंद्वी होने का लाभ मिला। स्पष्टतः कर्नाटक का परिणाम स्थानीय समीकरणों से तय हुआ।

स्मार्ट क्लास रूम के उदघाटन मौके पर बच्चों के साथ डीएम नितीश कुमार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या । जिलाधिकारी नितीश कुमार ने कायाकल्प योजना, कम्पोजिट ग्रांट तथा क्रिटिकल गैप मदों से बनाये जा रहे दो और ग्राम पंचायतों में स्थित परिषदीय विद्यालयों यथा इंग्लिश मीडियम स्कूल सनाहा तथा कम्पोजिट विद्यालय हाजीपुर तहसील सोहावल में स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि स्मार्ट क्लास रूम की उपलब्धता से बच्चें शिक्षा ग्रहण करने का एक आधुनिक दृश्य श्रव्य साधन उपलब्ध हुआ है जहां पर प्रशिक्षित अध्यापकों द्वारा बच्चों को रचनात्मक एवं सृजनात्मक शिक्षा प्रदान की जायेगी। उन्होंने बताया कि जनपद में इस वित्तीय वर्ष में 1000 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास का निर्माण एवं संचालन प्रारम्भ करने का लक्ष्य निर्धारित किया है जिसमें से वर्तमान में लगभग 250 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास का संचालन हो रहा है। 64 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास बनाये जाने का कार्य चल रहा है जिसे आगामी 10 से 15 दिनों में पूर्ण कर उसका संचालन प्रारम्भ कर दिया जायेगा। जिलाधिकारी ने स्मार्ट क्लास से सम्बंधित विद्यालयों के सभी शिक्षकों को स्मार्ट क्लास को बेहतर ढंग से संचालित करने हेतु सभी प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया, जिससे विद्यालय में अध्ययनरत समस्त कक्षाओं के विद्यार्थियों को बेहतर एवं उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान हो सकें। इसी के साथ ही सभी विद्यालयों में ई–कण्टेण्टध्पेन ड्राइव में कक्षावार शैक्षिक सामाग्रियों को उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सभी विद्यालयों के बच्चों को शैक्षिक स्तर को जानने हेतु सभी बच्चों का बेसलाइन सर्वे का कार्य 15 जून से करने तथा उसके अनुरूप बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने मध्यान्ह भोजन के बारे में रसोइयों से भी भोजन की गुणवत्ता की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिये। विद्यालयों के विभिन्न कक्षाओं में जाकर बच्चों से रूबरू हुये तथा विभिन्न पुस्तकें एवं कविताओं आदि सुनकर शिक्षा की गुणवत्ता को परखा गया तथा बच्चों को और मेहनत करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने इंग्लिस मीडियम स्कूल सनाहा में वृक्षारोपण भी किया तथा सभी विद्यालयों में फलदार वृक्ष यथा अमरूद, आम, लीची, सहजन, नीबू आदि जैसे ही वृक्षों को रोपित करने के निर्देश दिये। उन्होंने विद्यालयों में बच्चों हेतु झूला भी लगवाने को कहा। इस अवसर पर विद्यालय में साफ सफाई अच्छी पायी गयी। कम्पोजिट विद्यालय हाजीपुर के भवन को रंगाई पुताई कराने के निर्देश दिये। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत सनाहा में स्वच्छ भारत मिशन और वित्त आयोग के कन्वर्जेस द्वारा निर्मित विकासखण्ड स्तरीय प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबन्धन केन्द्र का निरीक्षण किया। इसमें विकासखण्ड सोहावल के समस्त ग्राम पंचायतों से प्लास्टिक को संग्रहित कराकर प्रबन्धन केन्द्र में लगाये गये डस्टरिमूबर, सेडर व वेलिंग मशीन के माध्यम से अलग–अलग प्लास्टिक को उपचारित करके रिसाइक्लर्स तक पहुंचाया जायेगा। इससे ग्राम पंचायतों में साफ सफाई के साथ ही आय सृजन का एक अन्य साधन भी प्राप्त होगा। उक्त प्रबन्धन केन्द्र का संचालन शीघ्र प्रारम्भ होगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत हाजीपुर बरसेण्डी में निर्मित शहीद भगत सिंह अमृत सरोवर का भी लोकार्पण किया।

रोडवेज व ट्रक में जोरदार भिड़ंत 15घायल

हरदोई। हरदोई डिपो की परिवहन निगम की रोडवेज बस सवारियों लेकर दिल्ली जा रही थी। ड्राइवर की लापरवाही और तेज रफ्तार के चलते बस सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ गईं इस हादसे में बस सवार 15 लोग जख्मी हुए हैं। जिन्हें फरीदपुर के एक हास्पिटल में भर्ती कराया गया है। उधार ट्रक ड्राइवर वहां से भाग निकला। बताया गया है कि गुरुवार की रात को हरदोई डिपो की परिवहन निगम की रोडवेज बस दिल्ली के लिए रवाना हुई।

बस पर 45 सवारियां थीं। हाई–वे पर बरेली के पचौमी थाना फरीदपुर के पास सामने से आ रहे ट्रक ने बस में टक्कर मार दी। जिससे सवारियों में चीख–पुकार मच गई। तभी ट्रक ड्राइवर वहां से भाग निकला। हादसे से बस पर सवार 15 लोग जख्मी हुए हैं। जिनमें बावन चुंगी कोतवाली शहर की मेहरुन्निसा,सुरसा के पिंकू, कौथलिया की पूनम, यगुवन के अनूप कुमार,रत्नापुर के शेर सिंह मायादेवी, सौरभ, मंजू और दिल्ली के रहमत अली, जैनब और जीनत शामिल हैं। बस की सवारियों का कहना था कि ड्राइवर की लापरवाही और तेज रफ्तार के चलते इस तरह का हादसा हुआ।

किसान और गरीब सभी महंगाई की मार झेल रहे हैं– अखिलेश यादव

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि जबसे भाजपा सत्ता में आई है लोगों पर दुःख का पहाड़ टूट पड़ा है। समाज का हर वर्ग परेशान है। किसान और गरीब सभी महंगाई की मार झेल रहे हैं। भाजपा की केन्द्र और राज्य की डबल इंजन सरकारें जनता को सिर्फ झूठे आश्वासन दे रही है। जनता अब समझ चुकी है और वह भाजपा के बहकावे में आने वाली नहीं है। परेशान जनता अब बस चंद महीनों के बाद ही होने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करने का इंतजाम कर रही है।

उन्होंने कि कहा कि जैसे ही चुनाव समाप्त हुए खाद्य सामग्री लोगों की पहुंच से बाहर होने लगी है। अरहर की दाल 30 रूपये महंगी हो गई। बेसन, चीनी, रसोई गैस के भी दाम बढ़ गये। किसान को फसल की लागत भी नहीं मिल रही है जबकि खाद, बीज, कीटनाशक आदि के दाम बढ़ रहे हैं। अब लोग क्या करें? कैसे अपनी जिंदगी चलायें? अखिलेश यादव ने कहा कि किसान की तो बहुत ही दुर्दशा है। खेती–किसानी अब मुनाफे का धंधा नहीं रह गयी है। हमेशा वह घाटे में ही रहती है। भाजपा सरकार एमएसपी का बहाना क्यों करती है? जबकि किसानों को उसकी फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) कभी नहीं मिला है। गेहूं, धान के क्रय केन्द्रों पर किसान की फसल की खरीद में तमाम अड़चने लगाई जाती है। घटतौली, समय से भुगतान न होने की शिकायतें आम हैं। क्रय केन्द्रों की अव्यवस्था के चलते निराश किसान अपनी फसल को बिचौलियों के हाथ औने–पौने दाम पर बेचने को मजबूर हो जाता है। भाजपा सरकार द्वारा इस बार लक्ष्य से भी कम गेहूं की खरीद की गई है। कहा कि यहीं नहीं, किसान को अनावृष्टि, ओले से क्षति भी झेलनी पड़ती है। खेत, खलिहानों में अग्निकांड की भी घटनाएं होती हैं। किसान की इस तबाही में राहत के नाम पर भाजपा सरकार सिर्फ फरेब करती है। किसान को समय से मुआवजा देने के बजाय वह सर्वे करने का नाटक करती है जबकि हालात से मजबूर किसान आत्महत्या कर रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के छल–छद्म का हाल इससे बुरा क्या होगा कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र के वादों का भी ख्याल नहीं किया।

संक्षिप्त खबरे

पीएम मोदी कार्यकाल के 9 साल पूरे होने पर एक महीने का जागरूकता अभियान चलाएगी भाजपा

कानपुर। शुक्रवार को भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र की कार्यसमिति का शुभारम्भ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। साकेत नगर स्थित एक होटल में कार्यसमिति की बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने सभी का अनौपचारिक परिचय लिया। इसके साथ ही क्षेत्र के निकाय चुनाव नतीजों पर चर्चा की। चर्चा में तय हुआ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यकाल के 9 साल पूरे होने पर संगठन एक महीने का जागरूकता अभियान चलाएगा। इसमें प्रधानमंत्री की उपलब्धियों और उनकी कार्य योजनाओं को जनता के बीच कार्यकर्ता ले जाएंगे। बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल,प्रियंका रावत,विधायक सलिल विश्नोई,कैबिनेट मंत्री राकेश सचान समेत सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यसमिति तीन सत्रों में शाम तक चली। इसके साथ ही लोकसभा चुनाव में सभी को एकजुट होकर लग जाने का संकल्प कराया गया।

पुलिस ने बिलग्राम में हुई चोरियों का किया खुलासा,आरोपियों को भेजा जेल

बिलग्राम, हरदोई । नगर के मोहल्ला सुलहाडा निवासी सुनील कुमार व मोहल्ला मंडई निवासी जितेंद्र कुमार के घर हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा किया है। इस क्रम में दो आरोपियों के पास से एक दर्जन जेवर के साथ एक अदद तमंचा कारतूस और ध्3000 रुपये नगद बरामद करते हुए पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने घटना का अनावरण किया।

एस पी राजेश द्विवेदी ने बताया कि 7 मई को जितेंद्र कुमार मोहल्ला मंडई व 10 मई को रात को नगर के सुल्हाडा मोहल्ला में सुनील कुमार के घर चोरी हुई थी, पुलिस ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर दो आरोपियों साकिब निवासी मोहल्ला मैदान पुरा व एहसान उर्फ कल्लू मोहल्ला खुर्द पुरा को गश्त के दौरान गिरफ्तार करते हुए उनसे पूछताछ शुरू की तो उन्होंने बताया कि वह लोग चोरी करने के आदी हैं चोरी करने से पहले वह मकानों की रैकी करते हैं और बाद में चोरी को अंजाम देते हैं। इसी क्रम में उन्होंने सुनील कुमार के घर से एक सोने की चौन कान के कुंडल कान के टप्स, झुमकी ,अंगूठी 8 जोड़ी पायल, एक मंगलसूत्र समेत तीन हजार रुपया चोरी किया था और जितेन्द्र कुमार के घर मोबाइल व जेवर चोरी किए थे। जेवर को बेचने जा रहे थे,इसी दौरान पकड़े गए। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि दोनों घटनाओं का पुलिस ने खुलासा करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें जेल भेजा जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने ये भी बताया कि दोनों शातिर चोर हैं और कई बार चोरियों में पकड़े भी जा चुके हैं और इन पर कई मुकदमे दर्ज हैं।

मेड़ काटने के विवाद में मां बेटी को किया घायल

शाहाबाद, हरदोई। कोतवाली शाहाबाद के गांव में मेढ़ काटने को लेकर हुई कहा सुनी के बाद एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की मां बेटी को लाठी डंडों व धारदार हथियार से मार कर घायल कर दिया। पीड़ित ने कोतवाली में घटना की सूचना दी है। प्राप्त विवरण में कोतवाली शाहाबाद के बिरौरी गांव की रामगुनी पत्नी रामासरे ने गांव के ही पुत्तू धीरज व धीरज की पत्नी रेनू के विरुद्ध प्रार्थना पत्र दिया है। रामगुनी ने बताया कि गुरुवार को दिन में मेढ़ काटने को लेकर पुत्तू और रामासरे की कहा सुनी हुई थी रात में विपक्षी एक राय होकर मेरे घर में घुस आए और लाठी डंडों से हमे व मेरी पुत्री को मारा पीटा चिल्लाने पर रामासरे बचाने आए उन्हे भी डंडों से पीट दिया। कोतवाली पुलिस ने बताया की प्रार्थना पत्र मिला है पुलिस जांच कर कार्यवाही कर रही है।

कब्रिस्तान में मिली युवक की अधजली लाश

पहला (सीतापुर)। थाना सदरपुर क्षेत्र के ग्राम सदरपुर के कब्रिस्तान में शुक्रवार सुबह एक अधेड़ व्यक्ति की अधजली लाश पड़ी होने की सूचना पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया तथा उसे देखने वालों का तांता लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की तो युवक उसी गांव का बिछिप्त निकला। मिली जानकारी अनुसार थाना क्षेत्र के सदरपुर कस्बा के काजी टोला निवासी शफी अहमद पुत्र करीम खां उम्र 37 वर्ष जो करीब चार सालों से मानसिक रोगी था और उसका इलाज चल रहा था। वह कल शाम अपने घर से निकला था मगर सुबह तक वापस नहीं आया था। उसका जला हुआ मृत शरीर कब्रिस्तान में पड़ा मिला। परिजनों ने बताया कि यह चार से बीमार था और इसका इलाज चल रहा था तथा परिजनों के पोस्टमार्टम से इंकार करवाने पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर उसे परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक द्वारा अपने शरीर में आग लगाने से पूर्व अपने पिता की कब्र को भी खोदा गया था।

डेढ़ लाख की नकदी समेत जेवर कपड़े आदि चोरी

पहला (सीतापुर)। थाना सदरपुर क्षेत्रांतर्गत बीती रात मुशैदाबाद गांव में चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर करीब तीन लाख की चोरी को अंजाम दिया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के मुसैदाबाद निवासी रामविलास गौतम के घर को निशाना बनाया और घर में रखी जेवर, कपड़े बर्तन व नकदी सहित लगभग 300000 रुपये का सामान उठा ले गये। पीड़ित ने थाने में प्रार्थना पत्र दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामविलास का एक पुत्र अरबिंद कुमार छत के ऊपर तथा एक पुत्र निर्मल परिवार सहित घर के सामने छप्पर के नीचे सो रहा था। आधी रात के बाद चोर छत पर चढ़कर सीड़ियों से घर के अंदर घुस गए। घर के कमरों में रखी अलमारी का लाकर तथा बक्सों का ताला तोड़कर उसमें रखी जेवर सोने की 3 जोड़ी झुमकी, 3 जोड़ी नथुनी, 3 जोड़ी बिंदिया, दो अंगूठी, तथा चांदी की 3 जोड़ी बिछिया, 2 जोड़ी पायल व तीन अंगूठी के अलावा कुछ बर्तन, कपड़े व गन्ना, पेंड व जानवर बेचकर मकान दुरुस्त करने के लिए रखे डेढ़ लाख रुपए नकदी उठा ले गये। खाली बाक्स खेत में पड़े मिले।

राशनकार्ड धारकों को वितरित किया जा रहा पोषणयुक्त चावल

इसके सेवन ने शरीर में आयरन व विटामिन बी की कमी को करेगा दूर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मिल्कीपुर–अयोध्या । मिल्कीपुर में राशन कार्ड धारकों को उनकी सेहत के लिए पोषणयुक्त चावल वितरित किया जा रहा है। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों और परिषदीय विद्यालय में भी बच्चों को भोजन में इसी चावल को दिया जाएगा। बताया जाता है कि इस चावल के वितरण से बच्चों में पोष्टिक तत्व की कमी न होगी और उन्हें कुपोषण से बचाया जा सकेगा। इस चावल में आयरन और विटामिन बी भरपूर मात्रा मिलेगा। राशनकार्ड धारकों और परिषदीय विद्यालयों के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों पर दोपहर के भोजन में प्रयोग होने वाले चावल पहले सूक्ष्म पोषक वाले इस्तेमाल हो रहे थे, जिन्हें अब प्रशासन ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत कोटे से जुड़े उपभोक्ताओं की सेहत को भी बेहतर बनाए रखने के लिए उन्हें पोषणयुक्त चावल वितरित कराने का फैसला किया है। इस माह से मिल्कीपुर क्षेत्र के कोटे की दुकानों को राशन कार्ड धारकों के लिए पोषण युक्त चावल की सप्लाई की गई है। राशन लेने पहुंचे राशन कार्ड धारकों ने कहा कि इसमें प्लास्टिक का चावल मिला हुआ है कोटेदार राज कुमार तिवारी ने कार्ड धारकों से कहा कि अब आप लोगों के लिए सरकार द्वारा फोर्टीफाइड चावल दिया जा रहा जो पोषक तत्वों से भरपूर है। एक किग्रा. फोर्टिफाइड चावल में आयरन की मात्रा 28 से 42.5 मिग्रा, फॉलिक एसिड 75 से 125 माइक्रो ग्रा., विटामिन बी–12 की मात्रा .75 से 1.25 माइक्रो ग्राम होती है। इसके अलावा विटामिन ए 500 से 700 माइक्रो ग्राम, विटामिन बी टू 1.25 से 1.75 मिग्रा., विटामिन ए थ्री 12.3 से 20 मिग्रा. व विटामिन बी सिक्स की मात्रा 1.5 से 2.5 मिग्रा होती है।

बीडीओ को शिकायती पत्र देकर लगाया आरोप

मिश्रिख (सीतापुर)। विकासखंड मिश्रित की ग्राम पंचायत परसौली निवासी पूर्व प्रधान राजकिशोर ने खंड विकास अधिकारी को एक शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान वित्तीय वर्ष 2020 –21 में ग्राम पंचायत परसौली का पंचायत भवन निर्माण कार्य शुरू कराया था। उसी दौरान ग्राम पंचायत का चुनाव शुरू हो गया। पीड़ित द्वारा पंचायत में कराए गए कार्यों के बिल वाउचर संलग्न होने के बावजूद भी उनका भुगतान आज तक नहीं किया गया है। मामले को लेकर पीड़ित द्वारा मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत की गई थी। बावजूद इसके बकाया बिल 36,793, 19442, 10107 रुपये का भुगतान ब्लाक द्वारा अभी तक नहीं किया गया है। जिससे ग्राम पंचायत में पीड़ित की छवि खराब हो रही है। इसलिए पीड़ित ने आज खंड विकास अधिकारी को मामले का शिकायती पत्र देकर अविलंब भुगतान कराए जाने की मांग की हैं।

लुटेरों ने प्राइवेट कर्मी को बंधक बना तमंचे की बट से सिर फोड़ा, बाइक और कैश लेकर हुए फरार

कानपुर। महाराजपुर में गुरुवार देर रात रेलवे स्टेशन सरसौल–हाथीगांव मार्ग पर बाइक सवार लुटेरों ने पेप्सी कंपनी में कार्यरत बाइक सवार युवक को डंडा मारकर गिरा दिया। तमंचे की बट से सिर फोड़कर लहूलुहान कर दिया। सड़क से घसीटकर खेतों में ले जाकर बंधक बनाकर फेंक दिया और बाइक,मोबाइल,पेप्सी कंपनी की डिवाइस व लगभग बीस हजार की नकदी लेकर फरार हो गए। उधर से गुजर रहे किसान ने युवक के कराहने की आवाज सुन बंधनमुक्त कराया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित से घटना की जानकारी ली। लूट का मुकदमा दर्ज कर पुलिस लुटेरों की तलाश कर रही है। पीड़ित घटना के बाद से सहमा हुआ है। एसीपी चकेरी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़ित से घटना की जानकारी ली। महाराजपुर के हाथीगांव निवासी किसान विमल तिवारी का बेटा अर्पित (25) रेलबाजार स्थित पेप्सी कंपनी में फील्ड मैनेजर है। अर्पित गुरुवार रात बाइक से शहर से घर लौट रहा था। रेलवे स्टेशन सरसौल से हाथीगांव जाने वाले रास्ते में गत्ता फैक्ट्री से 200 मीटर आगे पीछे से आए बाइक सवार युवकों ने डंडा मारकर अर्पित को गिरा दिया। अर्पित के गिरते ही लुटेरे लात – घूसों से उसको पीटने लगे। अर्पित ने विरोध किया तो सिर पर तमंचे की बट मारकर लहूलुहान कर दिया। घायल अर्पित को बदमाश घसीटते हुए सड़क से हटकर खेतों में ले गए। कपड़े से मुंह व हाथ,पैर बांधकर सुनसान जगह पर फेंक दिया। मोबाइल,लगभग 20 हजार नकद , बाइक व बैग लेकर लुटेरे फरार हो गए। देर रात खेत से निकल रहे किसान ने अर्पित को कराहते देखा तो बंधन मुक्त कराया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लहूलुहान अर्पित को सीएचसी सरसौल भेजा। वहां से एलएलआर अस्पताल (हैलट) रेफर कर दिया गया। पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात लुटेरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है। पीड़ित अर्पित ने बताया कि लुटेरे जो बैग ले गए हैं उसमें पेप्सी कंपनी की लोकेशन ट्रैकर डिवाइस भी है।

बारिश से पूर्व सफाई व्यवस्था को ले एक्शन में दिखे नगर विकास मंत्री

बरसात से पहले कराए सभी नाले–नालियों की मशीनों से सफाई–एके शर्मा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने बरसात से पहले ही जलभराव और गंदगी जैसी समस्याओं से शहरवासियों को मुक्ति दिलाने के लिए जोन–05 और 08 क्षेत्र में सफाई व्यवस्था और किला मोहम्मदी ड्रेन का निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री एके शर्मा ने बारिश के पहले शहर के सभी नाले– नालियों और सीवर की मशीनरी द्वारा सम्पूर्ण सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश नगर आयुक्त को दिए। वहीं,रिहायशी इलाकों में नालियों की सफाई और गंदगी से मुक्ति के लिए दिन में दो बार और व्यावसायिक क्षेत्रों में तीन बार साफाई कराने के निर्देश दिए। वहीं, इस दौरान मंत्री एके शर्मा ने शहरवासियों से कूड़े को कहीं भी फेंकने की जगह दरवाजे पर आने वाली कूड़ा गाड़ी को ही देने की अपील किया। नगर विकास मंत्री ने शुक्रवार को पकरी पुल के समीप बने नाले का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने देखा कि नाले के किनारे झाड़िया,पेड़–पौधों का उगे हैं और लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया है। नाले का सही से निर्माण न होने तथा स्थानीय लोगों द्वारा नाले में कूड़ा–कचरा डालना आदि कारणों से जल निकासी में व्यवधान उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों को देखते हुए नगर विकास मंत्री ने नगर निगम के अधिकारियों को बारिश से पहले इन सभी कमियों को दूर कर उचित सुधार करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने हिंद नगर स्थित एलडीए कालोनी के पास बने नाले का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नाले की सफाई के साथ ही क्षेत्र में किसी भी प्रकार का जलभराव व गंदगी न होने पाए के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने आशियाना स्थित खजाना मार्केट, सेक्टर एन–1 पहुंचे,जहां उन्होंने सीवेज पंपिंग स्टेशन और किला मोहम्मदी ड्रेन नाले का निरीक्षण किया।

अपराधियों ने पुलिस की जीप पर बैठकर रील बनाई

कानपुर। शहर में एक वीडियो वायरल हो रहा है। बजरिया थाने की पुलिस जीप की बोनट पर बैठकर अपराधियों ने न सिर्फ रील बनाई बल्कि जीप में बैठकर गाने भी गाते नजर आए। वीडियो बनाने वालों में कानपुर हिंसा के आरोपी मोहम्मद आसिफ उर्फ कल्लू का भाई मोहम्मद फैजल और उसका एक साथी है। दैनिक तरुणमित्र ऐसे किसी भी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले में जांच शुरू की। जानकारी के मुताबिक,अपराधियों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद ही सोशल मीडिया पर यूजर अलग–अलग कमेंट कर रहे। उधर, वीडियो वायरल कर अपराधियों ने खाकी को भी खुला चौलेंज दिया। वीडियो वायरल होते ही बैकफुट में कानपुर कमिश्नरेट पुलिस आई। हालांकि अपनी बात रखते हुए पुलिस ने बताया कि गाड़ी को गैराज में मरम्मत के लिए दिया गया था। मरम्मत के दौरान ही अपराधियों ने वीडियो बनाकर वायरल किया है। उधर, बजरिया पुलिस ने एक अपराधी की पहचान मोहम्मद फैसल के रूप में की।

डीसीएम व कार की टक्कर से 4 की मौत

हरदोई,लखनऊ। सण्डीला के टिम्बर व्यवसायी के दो बेटे अपनी–अपनी पत्नियों और दो बच्चों के साथ गुरुवार की रात लखनऊ से लौट रहे थे। उसी दौरान रास्ते में गढ़ी जिन्दौर के पास डीसीएम ने उनकी कार में टक्कर मार दी। जिससे दोनों बहुओं और दोनों बच्चों की मौत हो गई। जबकि दोनों बेटे बुरी तरह जख्मी हो गए। जिन्हें लखनऊ ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि सण्डीला कस्बे के मोहल्ला जोशियाना निवासी असलम टिम्बर व्यवसायी थे। सण्डीला चौराहा हरदोई–लखनऊ रोड पर उनका नया मकान है। गुरुवार की रात करीब 11 बजे असलम के दोनों बेटे कार से अपनी–अपनी पत्नियों के साथ लखनऊ से वापस लौट रहे थे। साथ में असलम की एक पोती और एक नातिन भी थी। उसी बीच गढ़ी जिन्दौर के पास सामने से आ रही डीसीएम ने कार में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे देवरानी–जेठानी के अलावा दोनों बच्चों की मौत हो गई। जबकि दोनों भाई बुरी तरह जख्मी हो गए। शुक्रवार को जब चारों शवों को सण्डीला लाया गया,तो वहां कोहराम मच गया। दोपहर को एक घर से एक साथ 4 जनाजे निकाले गए तो उसे देखने वाली हर आंख बरस पड़ी। वहां मातमी माहौल के बीच चारों को सुपुर्द–ए–खाक किया गया। हादसे की हकीकत जानने पहुंचे अफसर लखनऊ रोड पर गढ़ी जिन्दौर के पास हुए दर्दनाक हादसे में 4 लोगों की मौत की खबर सुन कर हर कोई सन्न रह गया। हादसे की हकीकत जानने के लिए एसडीएम सण्डीला भी टिम्बर व्यवसायी के घर पहुंचे और वहां के लोगों से हादसे के बारे में जानकारी हासिल की। सण्डीला के एक साथ चार लोगों की मौत की खबर सुनते ही वहां के चेयरमैन रईस अंसारी एकदम सकते में आ गए। शुक्रवार की सुबह चेयरमैन टिम्बर व्यवसायी असलम के घर पहुंचे और वहां मौजूद लोगों से मिल कर उन्हें दिलासा दी। टिम्बर व्यवसायी के घर आने–जाने वालों का तां–तां लगा हुआ है। मृतकों में समीना पत्नी फैहद,आफिया 2.5 वर्ष पुत्री फैहद,फातिमा 21 वर्ष पत्नी अमन,अब्दुल रहमान 8 वर्ष पुत्र आमिर,घायलों में मुनीरा पत्नी आमिर फहद 32 वर्ष पुत्र असलम हैं।

47 करोड़ रूपये की लागत से बनेगा बी ग्रेड फोरेंसिक लैब

11095 वर्ग मीटर में होगा पांच मंजिला भवन, छह वर्ष पहले ली गई थी जमीन

अयोध्या । राम नगरी अयोध्या में फोरेंसिक साइंस लैब निर्माण की कवायद तेज हो गयी हैं। शासन से परियोजना की स्वीकृति के बाद 47 करोड़ की लागत से आकार लेने वाले इस बी ग्रेड फोरेंसिक साइंस लैब के निर्माण का जिम्मा लोक निर्माण विभाग को सौंपा गया है। विभाग की ओर से टेंडर आमंत्रित किया गया है, जो 24 मई को खोला जाएगा। लैब का निर्माण टेढ़ी बाजार क्षेत्र में रेलवे स्टेशन के निकट होना है। गौरतलब है कि वर्तमान में जिले में केवल जिला स्तरीय क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र की फील्ड यूनिट का कार्यालय है और एक विशेषज्ञ समेत अन्य की तैनाती है, लेकिन इनके पास विधिक रूप से जिम्मा केवल सैंपल एकत्रीकरण कर संबंधित लैब को जाँच के लिए भिजवाने का ही है। अपराध अन्वेषण में यह लोग पुलिस की व्यवहारिक मदद तो कर सकते हैं लेकिन विधिक रिपोर्ट केवल लैब की ही मान्य है। बी ग्रेड फोरेंसिक साइंस लैब के निर्माण से केवल कुछ अति आधुनिक जांचों को छोड़कर ज्यादातर जांचे यहीं पर संभव हो जाएंगीं, जिससे समय और धन की बचत तो होगी ही, साथ ही त्वरित रिपोर्ट हासिल हो सकेगी। बी ग्रेड फोरेंसिक साइंस लैब का निर्माण कुल 11095 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में होगा, जबकि विभाग के पास मौजूद कुल जमीन 15220 वर्ग मी. में बाकी खुला स्पेस होगा। गृह विभाग के टेक्निकल सेल ईपीसी मिशन नियोजन विभाग की ओर से यूपीपीडल्यूडी की ओर से तैयार कराये गए डीपीआर के मुताबिक पांच मंजिला लैब बिल्डिंग 10266.40 वर्ग मी, दो मंजिला डारमेट्री एवं गेस्ट हॉउस 395.90 वर्ग मी, गैरेज एन्ड एलायड बिल्डिंग 250.20 वर्ग मी, मैसेंजर व गॉर्ड रूम 89 वर्ग मी, वर्कशाप 42 वर्ग मी, 1000 किलोवाट से ज्यादा क्षमता का विद्युत् व पंप रूम 51.50 वर्ग मीटर में बनेगा। साथ ही 100 किलो लीटर क्षमता की उपरगामी टंकी, सीसी रोड, इंटरलाकिंग, बाउंड्रीवाल आदि का निर्माण होगा। वर्ष 2017 में विभाग की ओर से मंडल मुख्यालय पर आधुनिक संसाधनों से युक्त फोरेंसिक साइंस लैब की स्थापना का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था और विद्याकुंड से रानोपाली रोड पर रामनगरी के अंतर्राष्ट्रीय स्तर के रेलवे स्टेशन के पास मन मुनि कुंड के निकट 3.76 एकड़ जमीन ली गई थी।

चिनहट में बहुमंजिला अवैध कॉम्पलेक्स पर चला एलडीए का बुलडोजर

लखनऊ। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा शहर में अवैध निर्माण व प्लाटिंग के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही किये जाने के निर्देशों के क्रम में शुक्रवार को प्रवर्तन जोन–5 की टीम ने चिनहट में बहुमंजिला अवैध कॉम्पलेक्स पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की। प्रवर्तन जोन–5 की जोनल अधिकारी श्रद्धा चौधरी ने बताया कि अजय कुमार पाण्डेय व अन्य द्वारा चिनहट में देवां रोड पर लक्ष्मी इंटर प्राइजेज के सामने लगभग 232 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर बिना स्वीकृत मानचित्र के शॉपिंग कॉम्पलेक्स का निर्माण कराया जा रहा था। जिसके विरूद्ध विहित न्यायालय में वाद योजित किया गया था। उक्त प्रकरण में बार–बार अवसर देने के बाद भी भवन स्वामीध्बिल्डर सुनवाई पर उपस्थित नहीं हुए, जिस पर विहित न्यायालय द्वारा ध्वस्तीकरण आदेश पारित किये गये थे।

समयावधि गुजर जाने के बाद भी नहीं प्रारम्भ हो सका सड़क निर्माण का कार्य

मिश्रित (सीतापुर)। प्रधानमंत्री सड़क निर्माण योजना में स्वीकृत हुई सड़क समयावधि गुजर जाने के बाद भी कार्य प्रारंभ होने की बाट जोह रहा है। विभागीय जिम्मेदार पूरी तरह उदासीन बने हुए हैं। इस सड़क निर्माण के बाबत लगाया गया प्राक्कलन बोर्ड खुलेआम ग्रामीण जनता को मुंह चढ़ा रहा हैं। इस जर्जरित मार्ग पर आवागमन बाधित हो रहा है। लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। सूबे के मुखिया को मामले की जांच कराकर संबंधित दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करने की आवश्यक्ता है। कस्बा मिश्रित के परसौली चौराहा से बिनौरा तक जाने वाला 5.050 किलोमीटर लंबी सड़क प्रधानमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत 351.73 लाख रुपये में स्वीकृत हुआ था। जिसके कार्य प्रारंभ की तिथि 27 अप्रैल 2022 थी और 1 वर्ष में 26 अप्रैल 2023 तक इसका निर्माण पूर्ण होना था। इस कार्य का ठेका विश्व समुद्र इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड विजयवाड़ा आंध्र प्रदेश के ठेकेदार को दिया गया था। यह कार्य कराने की संस्था पीएमजीएसवाई, पीआईयू, ग्राआवि सीतापुर व्दारा निर्धारित समयावधि में पूरा कराना था। परसौली चौराहा लगा प्रांकलन बोर्ड

योग के माध्यम से नशा मुक्त समाज के निर्माण का आह्वान

मुक्त विश्वविद्यालय के योग जागरुकता शिविर का समापन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गए गांव सराय मदन सिंह उर्फ चांटी में शुक्रवार को योग जागरूकता तथा नशा मुक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राज्यपाल सचिवालय के निर्देशानुसार मुक्त विश्वविद्यालय ने 8 मई से विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों में योग जागरूकता अभियान की श्रृंखला प्रारंभ की थी। इसी कड़ी में आज होलागढ़ विकासखंड के अंतर्गत सराय मदन सिंह उर्फ चांटी गांव में शानदार ढंग से समापन हो गया। योग जागरूकता शिविर के प्रारंभ में चांटी गांव के प्रधान ने कुलपति, कुलसचिव एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों का स्वागत किया।

समारोह में कार्यक्रम की अध्यक्षता करती हुई विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि योग समग्र आरोग्य को प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त समाज एवं योग में अभ्यास व्रत समाज एवं राष्ट्र की उन्नति में सहायक हो सकते हैं। भारत युवाओं का देश है और नशा युवाओं की ऊर्जा एवं क्षमता को नष्ट कर देता है, जिससे राष्ट्र की हानि होती है। उन्होंने योग के माध्यम से नशा मुक्त समाज के निर्माण का आह्वान करते हुए कहा कि नशे के विभिन्न विकारों एवं समाज में हो रही दुर्घटनाओं के प्रति सबको सचेत रहने की आवश्यकता है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज युवाओं को योग की महत्ता को अंगीकार करना होगा। स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय गांवों में पहुंचकर समाज के उत्थान में विभिन्न आयामों के द्वारा संलग्न है। इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की सदस्य डॉ दीप्ति श्रीवास्तव ने ग्रामीण महिलाओं को जागरुक करते हुए कहा कि उनके लिए विश्वविद्यालय ने प्रवेश शुल्क में 50: की राहत दी है।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा अंगीकृत चांटी गांव में योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह, अनुराग शुक्ला एवं श्री निकेत सिंह द्वारा स्वस्थ जीवन शैली के लिए ग्राम वासियों को योग की विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास कराया गया। शिविर में नीलम उपाध्याय, संतोष कुमार पटेल, आनंद कुमार मौर्य, चंद्रशेखर पटेल, सुनील कुमार पटेल, ध्रुव प्रकाश पटेल, सूरज यादव, महेंद्र कुमार पटेल, चंद्रशेखर कुमार, सुनील कुमार आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने ग्रामवासियों एवं अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

मजारों से छेड़छाड़ की दो दिन मे तीन घटनाएं

मथुरा। अचानक मजारों को क्षतिग्रस्त करने की घटनाएं सामने आ रही हैं। दो दिन में तीन घटनाएं सामने आ चुकी हैं। सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि लोगों की आपसी समझ की वजह से अराजक तत्वों की मंशा पर पानी फिर गया। लोगों बेहद समझदारी दिखा रहे हैं, दूसरे दिन मजारों को क्षतिग्रस्त किया गया है उन पर सभी वर्ग को लोग पहुंचते हैं। गुरुवार को अधिक भीडभाड रहती है। गुरुवार को फरह, कारब के बाद शुक्रवार को राया में मजार को क्षतिग्रस्त करने की घटना सामने आई।

कस्बा राया में गुरुवार की रात्रि असामाजिक तत्वों ने लाइन वाले बाबा की मजार तोड़कर राया की शांत फिजा को बिगाड़ने का प्रयास किया। सूचना पर पहुची पुलिस ने मजार को दुबारा बनवाकर मामला शांत कराया। सूरज रेलवे फाटक के समीप गांव सूरज निवासी बबलू के खेत मे लाइन वाले बाबा के नाम से मजार बनी हुई है। जहां प्रतिदिन सभी समाज के लोग जाते है। जिसकी देखभाल राया निवासी सहाबुद्दीन और उनका पुत्र वर्षों से करते आ रहे हैं। गुरुवार को दर्शनार्थियों की अत्यधिक भीड़ पूजा होने के बाद करीब 10 बजे सहाबुद्दीन अपने घर चले गए।

निरीक्षण के दौरान जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जमीन में पाइपलाइन को मानक विहीन पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित को लगाई फटकार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कुशीनगर। जिलाधिकारी रमेश रंजन ने तमकुहीराज तहसील क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों में कराए जा रहे विकास कार्यों, परियोजनाओं, योजनाओं, निर्माण कार्यो का स्थलीय निरीक्षण कर धरातल पर हो रहे कार्यों की प्रगति को देखा और संम्बधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। शुक्रवार को तमकुहीराज तहसील क्षेत्र मे कराए जा रहे विकास कार्यों की हकीकत का जायजा लेने के दौरान जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम धुरिया इमिलिया जूनियर हाई स्कूल प्रांगण में समूह की महिलाओं से वार्ता कर उनकी समस्याओं से अवगत होने के पश्चात समाधान हेतु संबंधित को निर्देशित किया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी द्वारा ग्राम में समूह की स्थिति से अवगत कराया गया तथा उन्होंने बताया कि उक्त ग्राम में 22 समूह गठित है। तथा 21 समूह का सीसीएल होना है। जिन समूह का सीसीएल हो गया है। उन समूह की महिलाओं द्वारा व्यवसाय भी किया जा रहा है। समूह की महिलाओं द्वारा मुर्गी पालन, फर्नीचर, ऑटो रिक्शा एवं विभिन्न रोजगार के कार्य किए जा रहे हैं। इस दौरान जिलाधिकारी ने ग्राम सभा के सभी महिलाओं को प्रेरित किया तथा अन्य जो महिलाएं समूहों से नहीं जुड़ी हैं।

उनको भी जोड़ने हेतु प्रोत्साहित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि महिलाओं को रोजगार के अवसर के संबंध में जानकारी दी जाए। उन्होंने संम्बधित से इन परियोजना का लाभ सभी महिलाओं को देने की बात कही। उन्होंने बताया कि 6–7 महिलाओं को सीसीएल का पैसा मिला है। तथा अन्य महिलाओं का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने इससे और ऊपर उठकर कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं द्वारा कोटे का राशन वितरण, कार्यक्रम विभाग द्वारा पोषण आहार का वितरण कार्य को भी समूह से जोड़ा गया है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान द्वारा भी ग्राम सभा में हो रहे कार्यों की जानकारी दी गई। ग्राम प्रधान द्वारा बताया गया कि नाली, चकरोड, एवं सफाई का कार्य ग्राम सभा में चल रहा है। खेल के मैदान के संबंध में पूछे जाने पर ग्राम प्रधान द्वारा बताया गया कि भूमि उपलब्ध नही है। जिस पर जिलाधिकारी ने जमीन दान करने की बात कही। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर जूनियर हाई स्कूल धुरिया इमिलिया के कक्षा 7 – 8 के बच्चों से वार्ता भी की। उन्होंने कक्षाओं में पहुंचकर अध्यापक से वार्ता कर विद्यालय की समस्याओं से अवगत होने के पश्चात जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को विद्यालय का बाउंड्री कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी द्वारा ग्रामसभा धुरिया हाता रेशम फार्म का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सहायक निदेशक ने बताया कि उक्त फार्म 16 से 17 एकड़ में अवस्थित है। परंतु 40 से 50 कृषकों को ही लाभ दिया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरे

भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक 20 मई को

प्रयागराज। भाजपा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि 20 मई को शाम 4:00 बजे जिला पंचायत सभागार में भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर का जिला कार्यसमिति की बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें जिले के सभी जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी कार्यसमिति के सदस्यगण उपस्थित रहेंगे।

दिव्यांग बच्चे भी देश का भविष्य है: गणेश केसरवानी

प्रयागराज। नवनिर्वाचित महापौर गणेश केसरवानी ने अशोक नगर स्थित ष्स्नेह स्कूल फॉर स्पेशल चिल्ड्रेन एवं स्नेह रिहैब सेंटरष् में बौद्धिक दिव्यांग बच्चों को आई.डी किट वितरण और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चे भी इस देश का भविष्य है। भले ही वह बचपन से शारीरिक रूप से अक्षम हो पर उन्हें शिक्षा के माध्यम से शिक्षित करके सक्षम बनाना उनके भविष्य को निखारना है। इस अवसर पर उन्होंने इस कार्य में लगे सभी शिक्षकों के प्रति आभार जताया।

मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी बताया कि आई डी किट में दिव्यांग बच्चों के अनुरूप स्टेशनरी के सामान एवं कॉपी किताब उपलब्ध रहे। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक सुशील कुमार प्रधानाचार्य धीरेंद्र मिश्रा, डॉ0 संतोष केसरवानी, डॉ0 विकास केसरवानी, राजेश केसरवानी, आयुष अग्रहरी, आशीष द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

एनसीसी कैडेट्स ने किया मिशन लाइफ कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। शुक्रवार को 15 यू.पी. बटालियन से सम्बद्ध के० पी० इन्टर कालेज प्रयाग राज के एन.सी.सी. कैडेट्स में पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने हेतु मिशन लाइफ का आयोजन किया गया। मिशन लाइफ का तात्पर्य है, ष्लाइफ स्टाइल फॉर इनवायरमेंटष्। इस कार्यक्रम का उद्घ्घाटन भारत के प्रधानमंत्री ने अक्टूबर 2022 में किया था। इस कार्यक्रम के तहत शपथ लेते हुए कहा कि वे पर्यावरण बचाने के लिये अपने परिवार, मित्रों और अन्य नागरिकों को पर्यावरण अनुकूल आदतों और व्यौहार के महत्व के विषय में सतत रूप प्रेरित करेंगें। उक्त कार्यक्रम के तहत एन सी सी के कैडेट्स ने शपथ ली। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. योगेंद्र सिंह, सीटीओ सीनियर डिवीजन समर जीत,सीटीओ जूनियर डिवीजन अभिषेक मिश्रा, खेल प्रवक्ता उमेश खरे एवं अन्य उपस्थित थे।

हाउस टैक्स में 10 परसेंट छूट की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

प्रयागराज। गृहकर में 10: छूट मांग को लेकर नगर आयुक्त को जनहित संघर्ष समिति प्रदेश अध्यक्ष प्रमिल केसरवानी एवं युवा जिला अध्यक्ष अभिलाष केसरवानी के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर प्रमिल केसरवानी ने कहा कि प्रतिवर्ष 1 अप्रैल से 31 आगस्त माह तक गृह कर में भवन स्वामियों को 10: की छूट मिला करती थीं। नए सत्र वर्ष 2023 से 2024 के गृह कर में सालाना पर 10: की छूट होनी चाहिए जो वर्तमान में वार्षिक गृह कर 10: की छूट नहीं है। अभिलाष केसरवानी ने मांग की है कि वार्षिक मांग पर 10: छूट की जाए ताकि भवन स्वामियों को नगर निगम द्वारा हर बार की तरह इस बार भी हाउस टैक्स पर 10: की छूट का लाभ मिल सके। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से जनहित संघर्ष समिति के युवा जिला अध्यक्ष अभिलाष केसरवानी, सुशील जैन, विकास चौरसिया, सचिन गुप्ता, अजय केसरवानी आदि लोग उपस्थित रहे।

जनपद न्यायालय व समस्त तहसीलों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 21 मई को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज की अध्यक्षता में व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज के तत्वाधान में 21 मई को जनपद न्यायालय तथा समस्त तहसीलों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा । जिसमें सिविल, राजस्व व जुर्माने से दंडनीय मामलों का निस्तारण किया जाएगा। यह जानकारी सुभाष चंद्र मौर्य सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज द्वारा प्रदान की गई।

चोरी के दो लाख के सामान के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार, जेल

कुशीनगर। जनपद के पडरौना कोतवाली पुलिस द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए चोरी के कपड़ा, बर्तन व अन्य सामान कुल कीमत करीब 02 लाख रूपये के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में 19 मई दिन शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक राज प्रकाश सिंह ने मय पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 237ध्2023 धारा 380,457 भादवि0 से सम्बन्धित घटना का सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त सद्दाम पुत्र इस्लाम निवासी कसेरा टोली थाना कोतवाली पडरौना को गिरफ्तार कर उसके निशानदेही पर चोरी के बर्तन, कपडे, मोबाईल चार्जर, घडी व अन्य घरेलू सामान कुल कीमत करीब 2 लाख रूपये बरामद किया गया। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर उपरोक्त मुकदमे में धारा 411 भादवि0 की बढ़ोत्तरी कर गिरफ्तार अभियुक्त को जेल भेज दिया गया है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 देशराज सरोज, उ0नि0 अमर सिंह, का0 गिरीश कुमार, का0 अमरजीत यादव, म0का0 संगीता यादव आदि शामिल रहे।

डीएम ने रोका एलडीएम का वेतन

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगम सभागार में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों को निर्देशित किया है कि उद्योग बन्धुओं से सम्बंधित प्रकरणों को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने बैठक में बैंक के एलडीएम के अनुपस्थित रहने पर उनका वेतन रोकने के निर्देश दिए है। उन्होंने स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के उपरांत ही सम्बंधित एलडीएम का वेतन अवमुक्त किए जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने उद्यमियों की समस्याओं को सुना तथा उसकें निराकरण के लिए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। जिलाधिकारी ने सभी एजेण्डा बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए ससमय

प्रकरणों को निस्तारित किए जाने के निर्देश दिये है। जिलाधिकारी ने श्री दरबारी के हाउस टैक्स के प्रकरण के बारे में लीगल एडवाइज लिए जाने को कहा है। बैठक में उद्यमियों द्वारा औद्योगिक क्षेत्र में पानी की टंकी बंद होने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने कल तक टंकी को चालू कराये जाने के निर्देश जलकल विभाग को दिया है। बैठक में सहायक निदेशक कारखाना द्वारा कारखाना एक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी, जिसपर जिलाधिकारी ने एक वर्कशाप का आयोजन कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग बंधुओं से जुड़े प्रकरणों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता न बरती जाये।

विद्युत व्यवस्था धडाम, अधिकारी बजा रहे चौन की बंशी

चित्रकूट। विद्युत विभाग के अधिकारियों की मनमानी से उपभोक्ता हलाकान हैं। शहरी लाइनमैन ग्रामीण इलाकों में तैनात है। सचल ट्रालियां शोपीस बनकर खड़ी हैं। लाइट जाने पर जेई सबसे पहले फोन स्विच ऑफ करते हैं। मनमानी–अंधेरगर्दी चरम पर है। अधिकारी चौन की बंशी बजा रहे हैं। शुक्रवार को बुंदेली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि विद्युत विभाग के अधिकारी पूरी तरह से लापरवाह हैं। जनता की समस्याओं से विभागीय अधिकारियों का कोई लेना–देना नहीं है। गुरूवार की रात में पुरानी बाजार, कर्वी माफी के ट्रांसफार्मर की एमसीबी खराब हो गई। पूरी तरह तकरीबन सात सौ कनेक्शन धारकों को बिना बिजली के रात गुजारनी पड़ी। आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रधान प्रतिनिधि बद्री सिंह की अगुवाई में रात में ही ट्रांसफार्मर के पास एकत्र होकर विद्युत विभाग के खिलाफ नारेबाजी की।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में जुटेगें देश के 11 विश्वविद्यालयों के विद्वान

प्रयागराज। हिंदुस्तानी एकेडमी सभागार, प्रयागराज में शनिवार और रविवार को हिन्दी पत्रकारिता और साहित्य निर्माण विषय पर मंथन करने के लिए देश के 11 विश्वविद्यालयों के विद्वान जुटेगें। राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्रकाश चन्द्र जुगमंदर दास अग्रवाल लोकहित ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा है। राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक हिन्दी विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ. राजेश कुमार गर्ग जी ने बताया कि संगोष्ठी में देश के 11 विश्वविद्यालयों के विद्वानों को बुलाया गया है। जिनमें कालीकट विश्वविद्यालय, केरल, राजस्थान विश्वविद्यालय, राजस्थान, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, नेहरू ग्राम भारती मान्य विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश और उ. प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के विद्वानों को बुलाया गया है। इस अवसर पर लगभग डेढ़ सौ प्रतिभागी भी भाग लेंगे जिनके स्वल्पाहार आदि का भी प्रबंध किया गया है। संगोष्ठी में हिन्दी पत्रकारिता और साहित्य निर्माण के विभिन्न संदर्भों पर व्यापक चर्चा होगी। पत्रकारिता का साहित्य निर्माण के साथ–साथ राष्ट्र निर्माण, संस्कृति निर्माण, चरित्र निर्माण, व्यक्ति निर्माण में योगदान के संदर्भों पर भी विमर्श होगा। इतना ही नहीं स्त्री अस्मिता, दलित अस्मिता, और आदिवासी अस्मिता मूलक साहित्य निर्माण में हिन्दी पत्रकारिता के योगदान पर भी चर्चा इस संगोष्ठी में की जानी है। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक डॉ. राजेश कुमार गर्ग ने बताया कि यह संगोष्ठी 20 और 21 मई 2023 को होनी है।

चार पीडितों को पुलिस ने वापस कराये एक लाख 55 हजार 618 रुपये

चित्रकूट। बढ़ते साइबर अपराध को रोकने व जनता को राहत दिलाने की गरज से जारी अभियान में पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी की देखरेख में साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह की टीम ने चार पीड़ितों को एक लाख 55 हजार 618 रूपये वापस कराये हैं।

शुक्रवार को कर्वी चित्रकूट की श्रीमती सरिता देवी ने शिकायत की थी कि अज्ञात लोगों ने उसके खाते से धोखाधड़ी कर 81618 रुपये निकाल लिये हैं। गोबरिया शिवरामपुर के अंकित ने शिकायत की थी कि अज्ञात लोगों ने धोखाधड़ी ये खाते 30 हजार रुपये निकाल लिये हैं। खोही के आशुतोष शिकायत की थी कि अज्ञात लोगों ने उसके खाते से धोखाधड़ी कर बीस हजार रुपये निकाल लिये हैं। सीतापुर के संतोष ने शिकायत की थी कि अज्ञात लोगों ने उसके खाते से धोखाधड़ी कर 24 हजार रुपये निकाल लिये हैं।

ज्वाला देवी के पांच मेधावी विद्यार्थी सम्मानित

प्रयागराज। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गंगापुरी रसूलाबाद प्रयागराज के 5 छात्र छात्राओं को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा में जिले में टॉप 10 की सूची में आने पर जिलाधिकारी ने अपने कार्यालय के संगम सभागार में सम्मानित किया। हाई स्कूल की परीक्षा में विकास चतुर्वेदी ने 96.5: अंक प्राप्त कर प्रदेश में 10 वां व जिले में दूसरा स्थान, आरोही त्रिपाठी ने 96: अंक प्राप्त कर जिले में पांचवा स्थान, अथर्व त्रिपाठी ने 95.67: अंक प्राप्त कर जिले में सातवां स्थान एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा में आदर्श तिवारी ने 96.4:अंक प्राप्त कर प्रदेश में छठवां व जिले में तीसरा स्थान तथा सोनल सिंह ने 96: अंक प्राप्त कर प्रदेश में आठवां व जिले में पांचवा स्थान बनाया। पांचों छात्र–छात्राओं की सफलता पर जिलाधिकारी प्रयागराज संजय खत्री ने प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। विद्यालय के पांचों छात्र–छात्राओं के सम्मान से अभिभूत होकर विद्यालय के प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र एवं विद्यालय परिवार ने हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करते हुए निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होने की कामना करते हुए समाज में विद्यालय को गौरवान्वित करने के लिए छात्र–छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को ढेर सारी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं के माता–पिता के साथ– साथ विद्यालय के आचार्य कनक सिंह भी उपस्थित रहे।

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लिए प्रयागराज में 75 इकाइयां तैयार

9,790 करोड़ के प्रोजेक्ट से 16631 लोगों को मिलेगा रोजगार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता वाली यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के सम्पन्न होने के बाद अब ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लिए निवेशकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रयागराज में इन्वेस्टर्स समिट के लिए किये गए एमओयू के प्रोजेक्ट में कार्य शुरू होने ने गति पकड़ ली है।

प्रयागराज जिले में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट पर निवेशकों के हस्ताक्षर हुए अभी कुछ ही महीने हुए हैं लेकिन जनपद में 75 इकाइयों नए ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के मानक पूरे कर लिए हैं। संयुक्त आयुक्त उद्योग लाल जीत सिंह बताते हैं कि जिले में उद्यमियों ने 9,790 करोड़ के प्रोजेक्ट के कार्य प्रारम्भ होने की स्थिति में पहुँच चुके हैं। उनका कहना है कि 75 निवेशकों ने अभी तक ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के सभी मानक पूरा कर लिए हैं। इनमे सबसे अधिक निवेश अतिरिक्त ऊर्जा क्षेत्र में ध्3,035 करोड़ का है। इसके अतिरिक्त सबसे अधिक इकाइयां 25 एमएसएमई क्षेत्र से हैं जो 412.97 करोड़ का निवेश कर रही हैं। वैसे इन 75 इकाइयों में 3 फीसदी इकाइयों ने अभी से अपना उत्पादन भी शुरू कर दिया है। शेष बची औद्योगिक इकाइयां भी जुलाई के आखिर तक अपना काम शुरू कर सकती हैं।

योगी सरकार की उद्योग स्थापना एवं निर्यात प्रोत्साहन नीति के चलते निवेशकों का प्रदेश में निवेश को लेकर भरोसा तेजी से बढ़ रहा है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 10 से 12 फरवरी तक चली यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में बड़ी संख्या में प्रदेश स्तर पर उद्यमियों ने निवेश करते हुए एमओयू साइन किए थे। इसके बाद जनपद स्तर पर निवेशकों के उद्योग को धरातल पर उतारने के लिए सरकार ने जिला स्तर पर अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे कि उद्यमियों को इकाई स्थापना के लिए आवश्यक जानकारी और सुविधाएं प्राथमिकता में उपलब्ध कराई जाय जिससे निवेशक अपने लक्ष्य के अनुरूप उद्योग स्थापित कर सके। जनपद प्रयागराज में 53 हजार करोड़ से अधिक के निवेश पर हस्ताक्षर हुए थे , जिसके पश्चात निवेशकों के प्रस्तावों को धरातल में उतारने के काम ने गति पकड़ी। संयुक्त आयुक्त उद्योग के मुताबिक सरकार के निर्देश पर निवेश के सभी प्रस्तावों के जमीनी क्रियान्वयन के लिए प्रक्रिया शुरू हुई। इसी का परिणाम है कि जिले में 9,790 करोड़ से अधिक के निवेश के कार्य हेतु ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लिए तय मानक पूरे कर लिए गए हैं।

सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत साइक्लोथॉन का आयोजन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। कंज्यूमर गिल्ड और कंज्यूमर वॉयस नई दिल्ली के सहयोग से आज लखनऊ में 7वें संयुक्त राष्ट्र वैश्विक सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत साइक्लोथॉन का आयोजन कपूरथला चौराहा केडी सिंह बाबू स्टेडियम के पास तक किया गया। जिसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाना और सतत परिवहन विकल्पों को बढ़ावा देना था।

इस कार्यक्रम में शिक्षकों, वकीलों, शिक्षाविदों, छात्रों, सामाजिक संगठनों, मीडिया प्रतिनिधियों और हितधारकों सहित विविध प्रतिभागियों की भागीदारी देखी गई।

इस अवसर पर अभिषेक श्रीवास्तव, अध्यक्ष, कंज्यूमर गिल्ड, लखनऊ ने बताया कि सड़क यातायात की चोटें दुनिया भर में मौत और विकलांगता का एक प्रमुख कारण हैं, जिसमें हर साल लगभग 1.3 मिलियन लोग मारे जाते हैं और लगभग 50 मिलियन लोग घायल होते हैं। 5–29 साल की उम्र के लोगों के लिए उनकी जान को इससे बड़ा कोई खतरा नहीं है। विश्व स्तर पर, प्रत्येक 4 में से 1 मौत पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों के बीच होती है। सड़क सुरक्षा के लिए 2021–2030 के दशक की वैश्विक योजना 2030 तक सुरक्षित सड़कों, वाहनों और व्यवहारों को सुनिश्चित करने के साथ–साथ आपातकालीन देखभाल में सुधार करके सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों और चोटों को 50: तक कम करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को दर्शाती है। जयंती श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर एमिटी विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा इस अवसर पर समस्त सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी हितधारक के मध्य आपसी समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इस अवसर पर अमजद सिद्दिकी, अधिवक्ता ने मोटर वाहन संशोधन अधिनियम की विस्तार से जानकारी दी।

अतीक अहमद की बीवी शाइस्ता पर दर्ज होगा गैंगस्टर का मुकदमा

प्रयागराज। उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर की हत्या में वांछित चल रही 50 हजार की इनामी शाइस्ता परवीन पर अब गैंगस्टर का मुकदमा भी कायम होगा। इसके लिए पुलिस की तरफ से तैयारी शुरू कर दी गई है। गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा होने के बाद धारा 14 (1) के तहत उसकी चल व अचल संपत्ति भी कुर्क की जाएगी। पुलिस के इस कदम से फरार चल रही शाइस्ता और उसके सहयोगियों, करीबियों पर भी शिकंजा कस जाएगा। अतीक अहमद की बीवी शाइस्ता परवीन के खिलाफ अभी चार मुकदमे दर्ज हैं। तीन मुकदमे कर्नलगंज थाने में धोखाधड़ी, कूटरचना सहित अन्य धाराओं में लिखा गया है। जबकि एक मुकदमा धूमनगंज थाने में उमेश पाल और उनके सरकारी सुरक्षाकर्मियों की हत्या का है। इस मुकदमे में शाइस्ता को भी नामजद आरोपित बनाया गया है। हत्याकांड के बाद से पुलिस और एसटीएफ की टीम उसकी तलाश में खाक छान रही है, लेकिन अब तक गिरफ्त में नहीं आ सकी। गिरफ्तारी न होने पर शाइस्ता पर पहले 25 और फिर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया, मगर कोई सुराग नहीं मिल सका है। उधर, लंबे समय से फरारी काट रही शाइस्ता पर शिकंजा कसने के लिए अब गैंगस्टर का मुकदमा किए जाने की तैयारी चल रही है। इससे पहले अतीक के गैंग आइएस–227 में शाइस्ता, उसके बेटे सहित कई अन्य का नाम शामिल किए जाने की बात कही जा रही थी। सूत्रों का कहना है कि अतीक के गैंग चार्ट से मृतकों का नाम अलग करते हुए नए सदस्यों का नाम बढ़ाया जाएगा। शाइस्ता पर गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा होने पर उसके नाम से बनाई गई चल और अचल संपत्तियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उमेश पाल हत्याकांड में फरार चल रहे पांच–पांच लाख के इनामी शूटर साबिर और कुख्यात बमबाज गुड्डू मुस्लिम का भी कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस की ओर से शाइस्ता, साबिर और गुड्डू के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया गया है। मगर पुलिस से लेकर एसटीएफ को चकमा देते हुए तीनों लगातार फरारी काट रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।